एक भारत श्रेष्ठ भारत

सबका साथ
सबका विकास

चुनाव घोषणा पत्र 2014

भारतीय जनता पार्टी

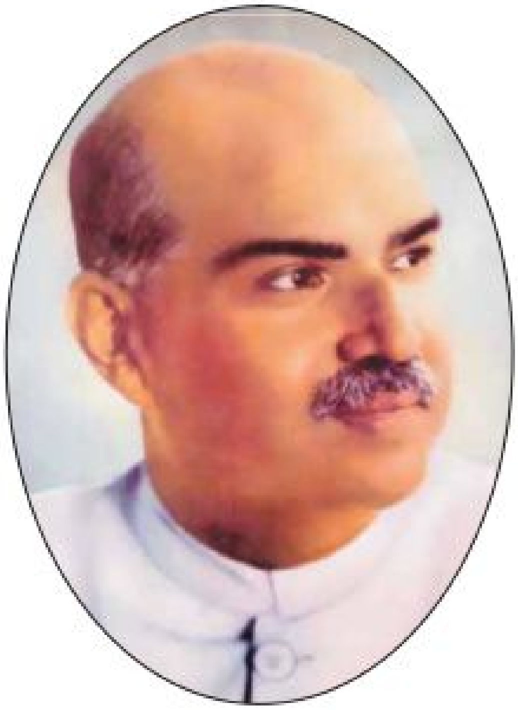

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

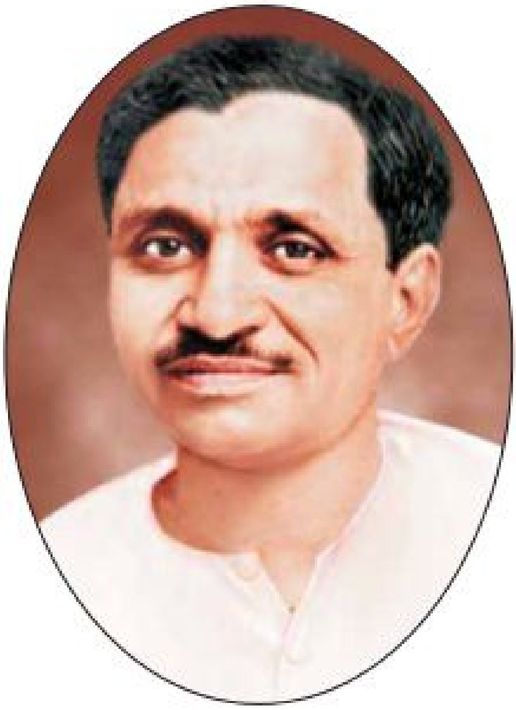

पं. दीनदयाल उपाध्याय

भाजपा

भारतीय जनता पार्टी

एक भारत – श्रेष्ठ भारत

चुनाव घोषणा पत्र

2014

सबका साथ, सबका विकास

हमारा वादा
एक भारत–श्रेष्ठ भारत

और भागीदारीपूर्ण **लोकतंत्र**

सशक्त और प्रेरित **नागरिक**

समावेशी और टिकाऊ **विकास**

गाँवों और शहरों में **स्तरीय जीवन**

सभी को बुनियादी **सुविधाएँ**

फलती–फूलती **कृषि**

कार्यशील **युवा**

महिलाओं की भागीदारी

मजबूत भौतिक और सामाजिक **अधोसंरचना**

नवीन और प्रौद्योगिकी संचालित समाज

वैश्विक प्रतिस्पर्धी **अर्थव्यवस्था**

गुणवत्ता में **ब्रांड इंडिया** का निर्माण

मजबूत, प्रभावशाली और भविष्योन्मुखी **संस्थाएँ**

खुली और पारदर्शी प्रणालियों पर आधारित **सरकार**

जनहितैषी **सुशासन**

आधुनिक भारत के निर्माण के लिए : सर्वोत्तम **नींव** हमारी संस्कृति,
हमारे अपने हाथ सर्वश्रेष्ठ साधन, सर्वोत्तम तानाबाना हमारी **आकांक्षाएं**

सबका साथ, सबका विकास

अनुक्रम

आसन्न चुनौतियाँ	10
महँगाई	10
रोजगार और उद्यमिता	11
भ्रष्टाचार	11
काला धन	12
निर्णय और नीतियों में अपंगता	12
कमजोर वितरण	12
विश्वसनीयता का संकट	13
कार्ययोजना की मजबूती	13
टीम इंडिया	13
केंद्र–राज्य संबंध	13
राष्ट्र का एकीकरण – इसकी व्यापकता और अभिव्यक्तियाँ	14
विकेंद्रीकरण और जनभागीदारी	16
प्रतिनिधित्वपूर्ण लोकतंत्र से भागीदारीयुक्त लोकतंत्र	16
व्यवस्था सुधार	17
सुशासन : पारदर्शी, प्रभावशाली, संलग्नकारी और प्रोत्साहनकारी	17
सबसे पहले भारत	17
खुली सरकार और जवाबदेह प्रशासन	18
ई गवर्नेंस, आसान, सक्षम और प्रभावी	18
संस्थागत सुधार–प्रशासनिक, न्यायिक, पुलिस और निर्वाचन	20
प्रशासनिक	20
न्यायिक	21
पुलिस	22
निर्वाचन	24
अधिक व्यापक मंच	24
गरीब और अधिकारहीन – दरार को भरना	24
खाद्य सुरक्षा	25

एस.सीएसटी और इसके गरीब तबके को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण 25
अल्पसंख्यक : समान अवसर 27
नव मध्य वर्ग–हासिल कर सकेंगे हसरतें 28
ग्रामीण क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता 28
शहरी क्षेत्र – उच्च वृद्धि केन्द्र 29
आगे की छलांग 30
सामाजिक सुरक्षा– एक फिक्रमंद सरकार; संवेदनशील समाज 30
बच्चे–राष्ट्र का भविष्य 30
वरिष्ठ नागरिक 31
शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण व्यक्ति 31
युवा वर्ग–न रुकने वाला भारत 32
खेल संवर्धन 33
महिलाएं–राष्ट्र निर्माता 34
शिक्षा–पढ़ो और आगे बढ़ो 35
स्कूली शिक्षा 36
उच्च एवं पेशेवर शिक्षा 37
रोजगारपरक प्रशिक्षण 38
हुनर–उत्पादकता एवं रोजगारपरकता पर जोर 39
स्वास्थ्य सेवाएं–पहुंच बढ़ाना, गुणवत्ता में सुधार करना, लागत को कम करना 40
आर्थिक पुनरुत्थान 42
एनपीए 43
कराधान– कर प्रणाली 43
प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 43
कृषि– उत्पादकता, विज्ञान और उसका पारितोषक 44
उद्योग– आधुनिक, प्रतिस्पर्धी और देखभाल करने वाला 46
विनिर्माण 46
सूक्ष्म, लघु व मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) 47
सहकारी क्षेत्र 47
हस्तशिल्प 47
कारीगर 48

सेवाएं–गुणवत्ता व कुशलता पर आधारित 48
व्यवसाय व व्यापार 48
पर्यटन–असीम संभावनायें 49
श्रम बल – हमारी वृद्धि का स्तंभ 49
आवास– अब एक सपना नहीं 50
भौतिक आधारभूत ढ़ाचा–सर्वोत्तम से भी बेहतर : 50
भविष्य का आधारभूत ढांचा : 51
परिवहन 51
रेलवे 51
पानी– इसे हर घर को, हर खेत को और कारखानों को उपलब्ध करना होगा : 52
ऊर्जा : ज्यादा बनाओ, सावधानी से उपयोग करो, बर्बाद बिल्कुल न करो : 53
विज्ञान एवं तकनीक : भारत नवाचार करता है तथा भारत नेतृत्व करता है – 53
पेड़ पौधे, जीव जंतु और पर्यावरण – अपने भविष्य को सुरक्षित करना : 56
हिमालय 57
प्राकृतिक तथा राष्ट्रीय संसाधन– आवश्यकता अनुसार उपयोग, जहां आवश्यक हो वहां संरक्षण 57
भारतीयों की सुरक्षा–आतंकवाद, उग्रवाद और अपराध बिलकुल सहन नहीं होगा : 58
सुरक्षित भारतीय– आतंकवाद, चरमपंथ और अपराध जरा भी बर्दाश्त नहीं 58
आंतरिक सुरक्षा 58
बाह्य सुरक्षा– उसकी सीमा, सौंदर्य उवं उदारता 59
रक्षा उत्पादन 60
स्वतंत्र सामरिक नाभिकीय कार्यक्रमः 60
विदेश संबंध–राष्ट्र प्रथम – वैश्विक बंधुता 61
सांस्कृतिक विरासत 63
समान नागरिक संहिता 64
निष्कर्ष–अमृतमय भारत 64

प्रस्तावना

भारत की संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति है और इसे दुनिया में हमेशा धन और ज्ञान की भूमि के रूप में देखा जाता रहा है। भारत को दर्शन और गणित के साथ–साथ बहुत उच्च कोटि का विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का श्रेय जाता है, जिसकी ओर दुनिया भर के विद्वान आकर्षित हुए। स्पेनिश विद्वान अल–अंदालुसी ने 11वीं शताब्दी में अपनी महत्वपूर्ण कृति 'तबाकत अल–उमाम" में विभिन्न देशों में विज्ञान की स्थिति की चर्चा की है। उन्होंने लिखा है, "विज्ञान का सबसे पहले समृद्ध होने वाला देश भारत है। भारत अपने लोगों के ज्ञान के लिए जाना जाता है। अनेक शताब्दियों तक अनेक राजाओं ने ज्ञान की सभी शाखाओं में भारतीयों की योग्यता को पहचाना है। अंदालुसी ने आगे लिखा है, "अनेक शताब्दियों तक भारतीयों की पहचान सभी राष्ट्रों में बुद्धि के सार, निष्पक्षता और तटस्थता के स्रोत के रूप में रही है। वे लोग उत्तम विचारशीलता, सार्वभौमिक नीति कथाओं और उपयोगी तथा दुर्लभ आविष्कारों के लिए जाने जाते हैं।"

सभ्यता के विकास में भारत का योगदान हजारों साल पुराना ईसाई युग से पहले का है। वेदों से लेकर उपनिषद और गौतम बुद्ध तथा 24वें जैन तीर्थंकर महावीर और फिर कौटिल्य तथा चंद्रगुप्त तक और उसके बाद अठारहवीं सदी तक, भारत का सम्मान उसकी फलती–फूलती अर्थव्यवस्था, व्यापार, वाणिज्य और संस्कृति के लिए होता रहा है। इसकी पहुँच कोरिया से लेकर अरब तक, बामियान से लेकर बोरोबुदूर तक और उससे भी आगे रही है। ब्रिटिशों के आने से पहले तक, भारतीय सामानों की गुणवत्ता और शिल्पकला की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता रही। भारत की उद्योग और निर्माण में यूरोप या एशिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में बड़ी भूमिका और उपस्थिति रही है। इसकी बैंकिंग व्यवस्था सुविकसित थी और इसके व्यापारी तथा पूँजी प्रदाता भी समान रूप से मशहूर रहे, जो कि समृद्ध और उन्नतिशील अर्थव्यवस्था की रचना में योगदान कर रहे थे। संडरलैंड के अनुसार, भारत जहाज निर्माण करने वाले सबसे बड़े देशों में से था और इसी के अनुरूप उसकी पहुँच अंतरराष्ट्रीय बाजार में थी। भारतीय समृद्धि का पूरी दुनिया में बोलबाला था। इसी समृद्धि के कारण सिकंदर से लेकर ब्रिटिश जैसे विदेशी इसकी ओर आकर्षित हुए।

ऐतिहासिक दस्तावेज यूरोपीय लोगों के आने से पहले भारत द्वारा अर्जित उन्नति और समृद्धि को प्रमाणित करते हैं। गणित, अंतरिक्षविज्ञान, भौतिकी और रसायनशास्त्र के साथ साथ जीवविज्ञानों में भी भारत की उन्नति की काफी मान्यता थी। भारत प्रचुरता, समृद्धि, संपन्नता का देश था, संपूर्ण सद्भाव और स्वाभाविक शांति का मेल–जोल वाला देश था। प्राचीन समय से ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लगभग सभी धर्म भारत में शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं और रहते रहेंगे। इस प्रकार, भारत आध्यात्मिक सह–अस्तित्व का सर्वप्रमुख केंद्र बना हुआ है।

भाजपा मानती है कि कोई भी राष्ट्र अपने आपको, अपने इतिहास को, अपनी जड़ों को, अपनी शक्तियों को और अपनी सफलताओं को जाने बिना अपनी घरेलू या विदेश नीतियों का निर्माण नहीं कर

सकता। बेहद गतिशील और वैश्वीकृत जगत में किसी भी राष्ट्र के लिए अपनी उन जड़ों को जानना जरूरी है जो उसके लोगों को सहारा देती हैं।

तिलक, गांधी, अरविंदो, पटेल, बोस और अन्य नेताओं द्वारा प्रेरित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भारत की सभ्यतागत जागरूकता के बारे में स्पष्ट विचार रहे। इन नेताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन को भारतीय तरीकों और विचारों को अपने कार्य के केंद्र में रखकर दिशा प्रदान की। उनके पास सभ्यतागत चेतना के सातत्य के रूप में भारत की राजनीतिक और आर्थिक संस्थाओं के पुनर्निर्माण का विजन था, जिसने भारत को एक देश, एक जनता, और एक राष्ट्र बनाया।

स्वतंत्रता हासिल करने के बाद, नेताओं ने कामकाज में उस भावना और विचार को खो दिया जिसने स्वंत्रता के आंदोलन को पैदा किया था। उन्होंने उस विचार को त्याग दिया और प्रशासन के ब्रिटिशों द्वारा निर्मित सांस्थानिक ढाँचे को अपना लिया, जो कि भारत के वैश्विक दृष्टिकोण से बिलकुल विपरीत था। यह दुर्भाग्य की बात है कि इन नेताओं ने भारत की आंतरिक शक्ति को समाहित नहीं किया जो कि अनेक आक्रमणों और लंबे विदेशी शासन के बावजूद भारत के अस्तित्व के लिए मुख्य जिम्मेदार शक्ति थी, और इस प्रकार, ये नेता भारत की भावना को पुनर्प्रज्ज्वलित करने में असफल रहे।

यहाँ तक कि हमारी आजादी के करीब सात दशकों के बाद भी देश अपनी अंतर्निहित शक्ति, समय बोध और कार्य करने की इच्छा को खोज पाने में सक्षम नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप सबसे प्राचीन सभ्यता और युवा गणतंत्र होने के बावजूद हम बहुआयामी संकट में उलझे हुए हैं। यह ऐसा संकट है जो जीवन के सभी क्षेत्रों में फैला हुआ है। विखंडित समाज की ओर ले जाने वाली बढ़ती विषमताएँ, सामाजिक और सांप्रदायिक भेद और आतंकवाद स्थिति को तेजी से बिगाड़ रहे हैं। वर्तमान संकट इसी भ्रम तथा भारतीय जनमानस की चेतना से असंबद्ध होने का परिणाम है। संप्रग सरकार के कमजोर और रीढ़विहीन नेतृत्व के कारण यह स्थिति और बिगड़ गई। इस बीमारी की पहचान और उसका इलाज कर पाने में विफलता ने इस त्रासदी को और भी भयावह बना दिया। भारतीय सभ्यता की चेतना के आधार पर सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक प्रतिमान का सृजन करने के स्थान पर नेताओं ने उसी का अनुसरण करने की कोशिश की जो किसी न किसी अन्य पश्चिमी राष्ट्र में चल रहा था।

इस प्रकार, हमने करीब आधी सदी बरबाद कर दी। यहाँ तक कि हमसे आकार में छोटे और कम संसाधनों वाले कई अन्य देश विकास के मानकों में हमसे आगे निकल गए। इसका एक और कारण यह है कि इन दशकों में शासन विश्वास की कमी से ग्रस्त रहा जिससे अत्यधिक नियंत्रण की स्थिति रही। इसमें शासन में खुलेपन और जनभागीदारी की कमी भी देखी गई। इससे सत्ता कुछ हाथों में केंद्रित हो गई और पारदर्शिता की कमी के कारण भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद बड़े पैमाने पर फैल गया। 1990 के दशक में कथित 'उदारीकरण' शुरू किया गया लेकिन यह आधे–अधूरे मन से किया गया। यह कारगर नहीं रहा क्योंकि शेष परिवेश वही बना रहा। हालाँकि 21वीं सदी के शुरू में एनडीए के शासन में कुछ रोशनी दिखाई दी थी। भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था।

एनडीए के छह साल के शासन ने देश को कई चीजें पहली बार दीं, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि निर्मित हुई। हालाँकि, अनेक आशाएँ, संभावनाएँ और परियोजनाएँ बाद के वर्षों में पूरी तरह से साकार नहीं हो सकीं। इसके बाद, 2004 में यूपीए के सत्ता में आने के उपरांत स्थिति फिर से बिगड़ने लगी। हम एक बार फिर से ऐतिहासिक राष्ट्रीय अवसर से चूक गए।

भारतीय राजनीतिक प्रणाली में यूपीए का सबसे बड़ा झटका यह रहा कि उसने शासन से विश्वसनीयता, प्रशासन से प्रामाणिकता गायब कर दी। यूपीए ने सरकार के कार्य का नहीं, बल्कि उसकी निष्क्रियता का प्रदर्शन किया। उसने बिना वितरण के पात्रता का प्रशासन दिया। हमारी राजनीति वादों की हो गई, काम की नहीं। हम घाटे की अर्थव्यवस्था, और देरी की की कार्यसंस्कृति तथा अभाव की संपत्ति आधार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे भी बुरी बात यह हुई कि कांग्रेस नीत यूपीए ने भारत को भ्रष्टाचार, घोटालों और निष्क्रियतता का वैश्विक पर्याय बना दिया। और भी गंभीर बात यह हुई कि आज हम पूरी तरह से निर्णय और नीतिगत अपंगता से गुजर रहे हैं। मंद आर्थिक वृद्धि, अप्रत्याशित महंगाई और अस्थिर मुद्रा इसके सबसे ज्यादा दृश्यमान आयाम हैं।

निम्न समस्याओं के त्वरित समाधान की जरूरत हैय कृषि सहित अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, प्राकृतिक संसाधनों सहित पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा की बाहरी और आंतरिक चुनौतियाँ, सशक्तिकरण, शासन और नैतिक तथा सामाजिक मूल्यों का क्षरण।

भारत को तो एक राष्ट्र के रूप में जीवित रहना ही है ताकि वह राष्ट्रों के सद्‌भाव में अपना प्रभावी कर्तव्य निभा सके। यदि उसे विश्व में शांतिपूर्ण और समाधानकारी व्यवस्था स्थापित करने के लिए बुलंद आवाज को सुनाया जाना सुनिश्चित करना है तो हमें उसके लिए कमर कसनी होगी और अपनी चुनौतियों के लिए कटिबद्धता के साथ तुरंत तत्पर होना पड़ेगा और उनका हल खोजना पड़ेगा। दुख की बात है कि इस समय हमारे पास सरकार चलाने में हतोत्साहित करने वाला नेतृत्व है जो वर्तमान संकटों से जूझने में अक्षम है। आज भारत की अवधारणा के बारे में मतैक्य स्थापित करने की आवश्यकता है और इस बात की भी आवश्यकता है कि भारतीय जनमानस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं तक पहुँच मार्ग के बारे में फिर से सोचा जाए और उसका पुनर्निर्माण किया जाए।

देश के हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। इसके समाधान में देरी घातक सिद्ध होगी। इतिहास से सबक लेने, भारत की जीवनशक्ति और लचीलेपन की पहचान करने, वैभव की ऊँचाइयों तक ले जाने वाली उसकी विश्व दृष्टि की शक्ति और उसकी मजबूती की पहचान करने की और गिरावट का कारण बनने वाली उसकी कमजोरियों के विश्लेषण की आज आवश्यकता है। सूत्र वहाँ से पकड़िए जहाँ से हमारी सभ्यता की चेतना का प्रवाह ही रुक गया था, और राजनीति का पुनर्विन्यास कीजिए जो भारत के चेतना बिंदुओं के अनुरूप हमारे भावी वैभव को आगे बढ़ा सकें। हमें अपने मस्तिष्क की खिड़कियों को खोलकर रखना होगा, विश्व परिदृश्य की स्पष्ट समझ रखनी होगी, और देखना होगा कि हमारी अद्वितीयता को बिना नुकसान पहुँचाए, हम कैसे अपने प्रौद्योगिकीय उन्नतियों को आत्मसात कर सकेंगे।

अगर नेता गंभीरता से जुट जाएं तो ये लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। हमें ऐसे राजनीतिक दल की आवश्यकता है जिसके पास मजबूत संकल्प और राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। जैसा कि विवेकानंद ने कहा था, "सारी शक्ति तुम्हारे अंदर ही है। तुम सब कुछ कर सकते हो। इसमें विश्वास करो। बिलकुल सही। शक्ति भारत की जनता में है, भारत माता के पवित्र हृदय में है। जरूरत चिंगारी को सुलगाने की है और भारत माता अपने परम वैभव की ओर उदीयमान होगी।

जैसा कि श्री माँ ने एक बार कहा था कि भारत आधुनिक मानवता की कठिनाइयों का एक प्रतीकात्मक प्रतिमूर्ति बन गया है, लेकिन भारत अपने पुनरुत्थान की भूमि भी बनेगी जो उसे ऊँची और सत्जीवन की ओर ले जाएगी। भाजपा भारत की 1.22 अरब जनता के सपनों को साकार करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

आज भारतत को दुर्लभ क्षमता और डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी तथा डिमांड के अवसर का वरदान मिला हुआ है। अगर हम इन्हें समेकित करने और इस्तेमाल करने में सक्षम हुए, तो हम उन ऊँचाइयों को हासिल कर सकते हैं, जिनका भारत पात्र है। खराब हालत का सबसे बड़ा कारण उनके बुरे इरादे रहे हैं जिन्होंने साठ सालों तक देश पर राज किया है। और, ऐसे में ही हम अंतर दिखाएँगे। भाजपा के लिए नीतियों और क्रियान्वयनों का लक्ष्य होगा : **एक भारत, श्रेष्ठ भारत!** रास्ता होगा : **सबका साथ, सबका विकास**। राष्ट्र और इसकी जनता से यह हमारी प्रतिबद्धता है।

पार्टी के इस संकल्प और **श्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व** के साथ हम 16वीं लोकसभा के चुनाव संग्राम में उतर रहे हैं और पूरे मन से भारत को **स्थायी, सशक्त, दूरदृष्टियुक्त और प्रगतिशील सरकार देने के लिए** हम काम करेंगे। यह अपने और अपने देश का भाग्य बदलने का अवसर है।

भारत माता का गौरव, उसकी संतानों का गौरव।

डॉ (प्रोफेसर) मुरली मनोहर जोशी
अध्यक्ष
चुनाव घोषणापत्र समिति – 2014

26 मार्च, 2014

आसन्न चुनौतियाँ

यूपीए–1 और 2 के शासन वाले एक दशक को एक ही पंक्ति में ठीक से व्यक्त किया जा सकता है, 'गिरावट का दशक', जिसमें भारत में हर प्रकार की समस्याओं से निपटने में गिरावट ही आई है– फिर चाहे वह शासन हो, आर्थिक स्थिति हो, राजनयिक अपमान हो, विदेश नीति की असफलता हो, सीमापार घुसपैठ हो, भ्रष्टाचार और घोटाले हों या महिलाओं के साथ होने वाले अपराध हों। सरकार और संवैधानिक इकाइयों का भारी दुरुपयोग और पूर्ण अवमानना हुई है। प्रधानमंत्री के पद की गरिमा का भी काफी पतन हुआ है। सरकार प्रतिदिन दुविधा में ही पड़ी रही जिसके कारण देश पर निराशा और विनाश के बादल मँडराते रहे, जबकि एनडीए के शासनकाल में भारत 'उभरती हुई महाशक्ति' कहलाने लगा था। 2004 में एनडीए के सत्ता छोड़ने के समय विकास दर दो अंकों के करीब थी। कांग्रेस नीत यूपीए सरकार उसको भी कायम नहीं रख पाई और सरकार का प्रबंधन इतने खराब तरीके से उसने किया कि विकास दर गिरकर 4.8 प्रतिशत तक आ गई और देश गहरे संकट में फंस गया। हमने एक सुंदर अवसर गँवा दिया और देश को बीस साल पीछे धकेल दिया। लाखों–करोड़ों महिला–पुरुषों को बेरोजगार कर दिया।

देश के सामने मौजूद महत्वपूर्ण और तात्कालिक चुनौतियों का समाधान नहीं किया गया। इनका असर तात्कालिक स्थिति पर ही नहीं पड़ा, बल्कि इससे देश की दीर्घकालीन क्षमताओं पर भी बुरा असर पड़ा। लोग कुंठित महसूस कर रहे हैं और उनका विश्वास व्यवस्था से हट गया है। चीजें बदलनी ही होंगी, और अब वे जरूर बदलेंगी। भाजपा इन सारे मसलों का हल प्राथमिकता के आधार पर निकालने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाएगी।

महँगाई

खाने–पीने के सामान के बढ़ते दामों ने घरों का बजट बिगाड़ दिया है और कांग्रेस नीत यूपीए सरकार की देखरेख में कुल मिलाकर महँगाई बहुत तेजी से बढ़ी है। यहाँ तक कि लाखों–करोड़ों लोगों की खाद्य और पोषण सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। हालाँकि, कांग्रेस नीत यूपीए सरकार संवेदनहीन बनी रही और लोगों की दशा की उसने कोई परवाह नहीं की वह तो अल्पकालिक और दिशाहीन कदमों में खुद को उलझाए रही। श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मुख्यमंत्रियों की समिति ने खाद्य महंगाई पर 2011 में ही अपनी रिपोर्ट पेश कर दी थी। दुर्भाग्य से उस रिपोर्ट पर कांग्रेस नीत यूपीए सरकार ने कोई काम नहीं किया।

तात्कालिक बीजेपी नीत एनडीए सरकार के समय महंगाई के स्थिर रहने का रिकॉर्ड हमारे उच्च मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दरों के विद्वेषपूर्ण कुचक्र को तोड़ने के संकल्प को दर्शाता है। हमारा तात्कालिक कार्य अनेक कदम उठाकर महंगाई पर लगाम लगाने का होगा, जैसे कि :

- जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए कड़े उपाय करना और विशेष अदालतें स्थापित करना।
- दाम स्थिरीकरण कोष की स्थापना करना।

- ➪ भारतीय खाद्य निगम के संचालन को वृहद क्षमता के साथ खरीदारी, भंडारण, और वितरण के लिए खोलना।
- ➪ विशेषकर किसानों के लिए—उत्पादन, कीमतों, आयात, भंडार और समग्र उपलब्धता के बारे में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर वास्तविक समय को घटाना।
- ➪ एकल 'राष्ट्रीय कृषि बाजार' का विकास करना।
- ➪ लोगों की खान–पान की आदतों से संबंधित फसलों और सब्जियों के क्षेत्र को प्रोत्साहन और समर्थन देना।

रोजगार और उद्यमिता

देश कांग्रेस नीत यूपीए सरकार द्वारा 10 सालों से रोजगारविहीन विकास में घसीटा जा रहा है। व्यापक आर्थिक पुनरुत्थान के तहत, भाजपा रोजगार सृजन और उद्यमिता के अवसरों को उच्च प्राथमिकता का वादा करती है। इसके तहत हम :

- ➪ भारी प्रभाव वाले क्षेत्रों, जैसे श्रम आधारित निर्माण (कपड़ा, जूता, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान एसेंबलिंग आदि) और पर्यटन का रणनीतिक आधार पर विकास करेंगे।
- ➪ कृषि और संबंधित उद्योगों और खुदरा के परंपरागत रोजगारों को आधुनिकीकरण के साथ–साथ मजबूत साख और बाजार संपर्कों के जरिए मजबूत करेंगे।
- ➪ अधोसंरचना और आवास के सुधार के जरिए उपलब्ध कराए गए अवसरों का इस्तेमाल करेंगे और इनकी रोजगार सृजन की क्षमता का इस्तेमाल करेंगे।
- ➪ अपने युवाओं को उद्यमिता तथा ऋण की सुविधा के जरिए स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित और सशक्त करेंगे।
- ➪ सेवा भाव से बहु–कौशल कार्यक्रम शुरू करके रोजगार की समस्या हल करेंगे। इसमें ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में रोजगार सृजन और उद्यमिता पर जोर दिया जाएगा।
- ➪ अपने रोजगार कार्यालयों को रोजगार केन्द्रों के रूप में बदलेंगे – प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के जरिए पारदर्शी और कारगर तरीके से युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा। साथ ही उन्हें परामर्श और प्रशिक्षण मुहैया कराया जाएगा।

भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार कमजोर शासन का नतीजा होता है। इसके साथ ही यह सत्ता में बैठे लोगों की बुरी नीयत को भी प्रकट करता है। कांग्रेस नीत यूपीए सरकार में फैला सारा व्यापक भ्रष्टाचार **'राष्ट्रीय संकट'** बन गया है।

हम ऐसा तंत्र स्थापित करेंगे जो भ्रष्टाचार की गुंजाइश ही समाप्त कर देगा। हम इसके लिए निम्न उपाय करेंगे :

- ➪ जन जागरूकता
- ➪ प्रौद्योगिकी आधारित ई–गवर्नेंस – नागरिक–सरकार के स्वरूप में मनमानी को न्यूनतम करना।
- ➪ प्रणाली आधारित, नीति प्रेरित शासन – इसे पारदर्शी बनाया जाएगा।
- ➪ कर प्रणाली को तर्कसंगत और सरलीकृत किया जाएगा, जो कि वर्तमान में ईमानदार करदाताओं के लिए नुकसानदेह है।
- ➪ सभी स्तरों पर प्रक्रियाओं और तरीकों का सरलीकरण – नागरिकों, संस्थाओं और प्रतिष्ठानों में विश्वास पैदा किया जाएगा।

काला धन

भ्रष्टाचार की गुंजाइश न्यूनतम करके, हम काला धन पैदा न होने को सुनिश्चित करेंगे। भाजपा विदेशी बैंकों और समुद्रपार के खातों में जमा काले धन का पता लगाने और उसे वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस काम के लिए और मौजूदा कानूनों में बदलाव करने या नए कानून बनाने के लिए हम एक कार्यबल स्थापित करेंगे। कालेधन को वापस भारत लाने के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। हम विदेशी सरकारों से भी कालेधन से जुड़ी जानकारियाँ हासिल करने के लिए व्यापक पहल करेंगे।

निर्णय और नीतियों में अपंगता

देश एक दशक तक कुप्रशासन और घोटालों से पीड़ित रहा है, साथ में निर्णयों और नीतियों में अपंगता की स्थिति भी रही है। इस प्रकार वृद्धि और विकास को कष्टदायी स्थिति में रोकने से 'सरकारी घाटे' की स्थिति बन गई है। यह स्थिति बदली जाएगी और सरकार का इंजन दोबारा मजबूत इच्छाशक्ति और जनहित के लिए प्रतिबद्धता के साथ शुरू किया जाएगा। हम नौकरशाही को सही निर्णय लेने और अपनी ताकत का इस्तेमाल आधुनिक भारत के निर्माण में करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

कमजोर वितरण

हम जहाँ कहीं भी जाते हैं, हर जगह बाधाएँ ही दिखती हैं। हम रोजाना इसे अनुभव करते हैं–सरकारी कार्यालयों में जनता के छोटे से छोटे काम में अड़चनें हैं, अदालतों में मुकदमों का ढेर लगा है, इसी तरह से और जगह भी हैं। इसी प्रकार, हम अधूरे काम और काम पूरा न हो पाने की संस्कृति के लिए जाने जाते हैं। हमारे पास पानी है, लेकिन उसे ले जाने के लिए पाइप लाइन नहीं हैं। हमारे पास स्कूल हैं, लेकिन शिक्षक नहीं हैं, हमारे पास कंप्यूटर और मशीनें हैं लेकिन बिजली नहीं है, हमारे पास वैज्ञानिक हैं, लेकिन प्रयोगशालाएँ नहीं हैं, उपकरण हैं, लेकिन उन पर काम करने के लिए कोई नहीं है। इससे कामकाज की गति कम होती है और परिणामस्वरूप समय, धन और ऊर्जा की बरबादी होती है। सही काम करने के लिए सही दिशा भी होनी जरूरी है, लेकिन उसका अभाव है। इसे प्राथमिकता के आधार पर हासिल करना होगा। हम जो भी करते हैं, उसके लिए हमें पूरी श्रृंखला को ध्यान में रखना होगा। हम इसको ध्यान में रखते हुए निम्न उपाय करेंगे :

- ➪ सभी क्षेत्रों, गतिविधियों और सेवाओं में बाधाओं और अधूरेपन को हटाएँगे।
- ➪ सही परिणामों के लिए उचित नियोजन और क्रियान्वयन पर जोर देंगे।
- ➪ भविष्यगामी सोच के साथ मात्रा और गति पर जोर देंगे।
- ➪ आज और कल के लिए संस्थाओं का निर्माण करेंगे।

विश्वसनीयता का संकट

भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केंद्र सरकार की विश्वसनीयता और भरोसे की बहाली की है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने विश्वसीयता पूरी तरह से खो दी है। इसकी नीयत, ईमानदारी और कामकाज, सब सवालों के दायरे में हैं। कांग्रेस पार्टी ने न केवल सरकार की, बल्कि भारत की भी मर्यादा गिराई है। यही कारण है कि रुपए के अवमूल्यन और बाकी देशों के हमारे ऊपर हावी होने देने जैसी ताजा कठिनाइयाँ झेलनी पड़ रही हैं। भाजपा सरकार के भरोसे और विश्वसनीयता की बहाली के लिए काम करेगी। हम प्रणाली में जिम्मेदारी और जवाबदेही की श्रृंखला भी सुनिश्चित करेंगे।

कार्ययोजना की मजबूती

टीम इंडिया

केंद्र–राज्य संबंध

भारत विविधतापूर्ण देश है। इसके अलग–अलग क्षेत्रों में रहने वाले विभिन्न समुदायों की अपनी–अपनी आकांक्षाएँ होती हैं। इन सभी आकांक्षाओं को मिलाकर ही भारत की आकांक्षाएँ बनती हैं। ऐसे में केंद्र और राज्यों को ऐसा कार्य तंत्र बनाना होगा जिसमें रिश्ते सद्‌भावपूर्ण हों। हर राज्य की स्वाभाविक परेशानियाँ व्यापक रूप से निपटाई जानी चाहिए।

- ➪ हम केंद्र–राज्य संबंधों को सलाह–मशविरा करके सहज बनाएँगे और केंद्र–राज्यों के सद्‌भावपूर्ण संबंधों की दिशा में प्रयास करेंगे।
- ➪ हमारी सरकार राज्यों के तीव्र विकास में मददगार बनेगी और अनुकूल रहेगी। हम राष्ट्रीय विकास का एक मॉडल तैयार करेंगे, जो कि राज्यों द्वारा संचालित होगा।
- ➪ टीम इंडिया प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली में बैठी टीम ही नहीं होगी, बल्कि मुख्यमंत्रियों और अन्य अधिकारियों को भी इसमें समान भागीदार बनाया जाएगा।
- ➪ राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित की जाएगी, और उनसे वित्तीय अनुशासन कायम रखने का अनुरोध किया जाएगा।
- ➪ समान समस्याओं और सरोकारों के साथ 'राज्य क्षेत्रीय परिषदों' का गठन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ऐसे समाधान तलाश करना होगा जो राज्यों के पूरे समूह के लिए व्यावहारिक हो।

- ➪ हम सुरक्षा संबंधी मुद्दों, अंतर–राज्यीय विवादों के साथ–साथ अंतर–क्षेत्रीय आर्थिक विषमताओं को हटाने तथा पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए राज्यों से सहयोग को बढ़ावा देंगे।
- ➪ हम सारे पर्वतीय और दूरदराज के राज्यों की विशेष जरूरतों और विशिष्ट समस्याओं को समझते हैं। इन राज्यों की सरकारों की सलाह से, राज्य आधारित विकास प्राथमिकताएँ मॉडल तैयार किए जाएँगे ताकि लोगों की आकांक्षाएँ पूरी हो सकें।
- ➪ केंद्र शासित प्रदेशों की विशिष्ट स्थिति को देखते हुए, उन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हम केंद्र शासित प्रदेशों की अर्थव्यवस्थाओं के विकास और मजबूती पर जोर देंगे। पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा जनजातियों के कल्याण और उनके अधिकारों पर पूरा ध्यान दिया जाएगा और अधोसंरचना तथा तटीय क्षेत्र विकास को शीर्ष प्राथमिकता दी जाएगी।
- ➪ हम अपने द्वीपीय क्षेत्रों के संरक्षण और एकीकृत विकास की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।
- ➪ 'राष्ट्रीय विकास परिषद' और 'अंतर–राज्यीय परिषद' जैसे मृतप्राय मंचों को पुनर्जीवित किया जाएगा और सक्रिय संस्थाएँ बनाया जाएगा।
- ➪ विदेश व्यापार और वाणिज्य के प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकारों को शामिल किया जाएगा।
- ➪ उद्योग, कृषि और अधोसंरचना में निवेश के जरिए राज्यों को संसाधन जुटाने में सहायता की जाएगी।

राष्ट्र का एकीकरण – इसकी व्यापकता और अभिव्यक्तियाँ

लोकतंत्र में हर कोई न केवल स्वतंत्र है, बल्कि उसे अपनी आवाज या मुद्दे उठाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। यह भी आवश्यक है कि उनकी आवाजें सुनी जाएँ और उनके मुद्दे सुलझाए जाएँ। हालाँकि, यह सब हमारे संविधान के दायरे में और 'भारत सबसे पहले' की भावना के साथ ही होना चाहिए। हमें अपनी सोच और कार्यों में राष्ट्र को सबसे आगे रखना होगा। देश की अखंडता को किसी भी तरह से नुकसान पहुँचाने वाला कोई भी कार्य समाज के किसी भी वर्ग या देश के किसी भी क्षेत्र के हित में नहीं हो सकता। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले सभी भारतीयों का देश के विकास में बराबर की भागीदारी होनी चाहिए और उन्हें आश्वस्त किया जाना चाहिए कि उन्हें भी इस विकास का लाभ मिलेगा।

- ➪ वर्तमान में, हमें विकास के पैमाने पर देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच भारी क्षेत्रीय विषमता देखने को मिलती है, खासकर पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में। प्राकृतिक और मानव संसाधनों में समृद्धि के बावजूद भारत का पूर्वी हिस्सा पीछे है।
- ➪ हम देश के पूर्वी हिस्से को पश्चिमी हिस्से के समकक्ष लाने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। इसके लिए भारत के पूर्वी हिस्से के विकास पर विशेष ध्यान और जोर दिया जाएगा।
- ➪ सरकार इन राज्यों के तीव्र विकास में मददगार और अनुकूल भूमिका निभाएगी; क्षेत्रीय आकांक्षाओं, मजबूती और संभावनाओं की योजना बनाएगी, देश के विभिन्न हिस्सों–पर्वतीय

क्षेत्रों, मैदानी क्षेत्रों, रेगिस्तानी क्षेत्रों और तटीय क्षेत्रों– के विकास के लिए उचित रणनीतियाँ बनाएगी।

क्षेत्रीय आकांक्षाएँ : भाजपा सदैव छोटे राज्यों के जरिए वृहद विकेंद्रीकरण के पक्ष में रही है।

पूर्वोत्तर : संसाधनों में समृद्ध पूर्वोत्तर के राज्य कमजोर शासन, व्यवस्थागत भ्रष्टाचार और जन सेवाओं के कमजोर वितरण के कारण विकास में पीछे छूट रहे हैं। एनडीए सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रालय का गठन करके पूर्वोत्तर के विकास के मुद्दे के हल के लिए ठोस कदम उठाए थे। हम पूर्वोत्तर क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए इस मंत्रालय को व्यापक घोषणापत्र और रद्द न होने वाले कोष के जरिए सशक्त बनाएंगे। भाजपा इस दिशा में निम्न कदम उठाएगी :

- ➪ क्षेत्र के अंदर और देश के बाकी हिस्सों से संपर्क मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। विशेषकर अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ व्यापक अधोसंरचना पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- ➪ असम में बाढ़ नियंत्रण और नदी जल प्रबंधन के मुद्दे को हल किया जाएगा।
- ➪ पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अधिक रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ➪ पूर्वोत्तर में घुसपैठ और अवैध प्रवासियों की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। इसके तहत जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिशा निर्देश और प्रभावशाली नियंत्रण शामिल होगा।
- ➪ भारत–बांग्लादेश और भारत–म्यांमार सीमा पर बाकी बचे बाड़ लगाने के काम को पूरा किया जाएगा, और सीमा सुरक्षा को चाक–चौबंद किया जाएगा।
- ➪ देश भर में पढ़ने वाले पूर्वोत्तर के छात्र–छात्राओं की सुरक्षा के उपाय किए जाएँगे। इनके तहत विभिन्न शैक्षणिक केंद्रों में पूर्वोत्तर के छात्र–छात्राओं के लिए छात्रावास स्थापित किए जाएँगे।
- ➪ उपद्रवी तत्वों से कड़ाई से निपटा जाएगा।

जम्मू और कश्मीर : जम्मू और कश्मीर भारत संघ का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। भारत की भौगोलिक एकता अखंड है। भारत इस राज्य के तीनों हिस्सों–जम्मू, कश्मीर और लद्दाख, के समान और तीव्र विकास के एजेंडे को लागू करेगी।

- ➪ कश्मीरी पंडितों की अपने पूर्वजों की भूमि में ससम्मान, सुरक्षित और सुनिश्चित आजीविका के साथ वापसी सुनिश्चित करना बीजेपी के एजेंडे में उच्च स्थान पर रहेगा।
- ➪ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के व अन्य शरणार्थियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं और माँगों को हल किया जाएगा।
- ➪ भाजपा धारा 370 के बारे में अपने दृष्टिकोण को दोहराती है और इस पर सभी पक्षों से चर्चा

करेगी तथा इस धारा को हटाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

➪ सुशासन, बेहतर अधोसंरचना, शैक्षणिक अवसर, स्वास्थ्य सेवा और अधिक रोजगार सृजन के लिए सारे कदम उठाए जाएँगे, ताकि घाटी में जीवन की बेहतर गुणवत्ता हो सके।

आंध्र और तेलंगाना : भाजपा तेलंगाना राज्य के निर्माण के बाद आंध्र के साथ पूरा न्याय करने के लिए प्रतिबद्ध है। आंध्र और तेलंगाना के विकास और शासन से संबंधित सारे मुद्दे हल किए जाएँगे।

विकेंद्रीकरण और जनभागीदारी

प्रतिनिधित्वपूर्ण लोकतंत्र से भागीदारीयुक्त लोकतंत्र

भारत व्यापक विविधताओं वाला देश है जिसमें विभिन्न लोगों के विचारों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उच्च विकेंद्रीकृत संघीय ढाँचा बहुत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में सत्ता दिल्ली और राज्य की राजधानियों में केंद्रित है। हमारा मानना है कि सत्ता का स्वाभाविक विकेंद्रीकरण होना चाहिए। भाजपा राज्यों को अधिकार देने के जरिए वृहद विकेंद्रीकरण के पक्ष में खड़ी है। जन सत्ता के व्यापक संग्रह को अब तक वास्तविक अर्थ में परखा नहीं गया है। हम शासन में लोगों को कार्यकारी और सहायक के रूप में शामिल करने में सक्षम नहीं हुए हैं।

➪ **जनभागीदारी :** हमारी विकास प्रक्रिया जन भागीदारी के जनांदोलन की होगी। हम उन्हें महज निष्क्रिय हितग्राही ही नहीं बल्कि विकास का सक्रिय वाहक बनायेंगे।

➪ **जन संलग्नता :** अग्र सक्रिय, जनोन्मुखी सुशासन के जरिए हम सुनिश्चित करेंगे कि सरकार स्वयं ही लोगों तक पहुँचे, खासकर समाज के कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों तक।

➪ पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का विकास आगे पीपुल–पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपपीपी) मॉडल के रूप में करेंगे।

➪ भाजपा स्थानीय स्तर पर स्वशासन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और हम पंचायती राज संस्थाओं को तीन एफ– **फंक्शन, फंक्शनरीज और फंड** के जरिए सशक्त करेंगे।

➪ अच्छा काम करने वाली पंचायतों को अतिरिक्त विकास अनुदानों जैसे पुरस्कार दिए जाएंगे।

➪ ग्राम सभा संस्था को उनके कार्यों और विकास प्रक्रियाओं की पहलों के संदर्भ में मजबूत किया जाएगा।

➪ नीति निर्धारण और आकलन में विभिन्न मंचों के जरिए लोगों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा।

➪ हम सरकार में खुलेपन को प्रोत्साहन देंगे और निर्णय प्रक्रिया में सभी पक्षों को शामिल करेंगे।

व्यवस्था सुधार

सुशासन : पारदर्शी, प्रभावशाली, संलग्नकारी और प्रोत्साहनकारी

सबसे पहले भारत

भाजपा का मानना है कि एक देश, एक जनता और एक राष्ट्र के रूप में भारत एक है। बीजेपी भारतीय समाज में विविधता के महत्व को समझती है और मानती है कि इसकी मजबूती और प्रखरता से देश मजबूत होता है। पार्टी का विश्वास अनेकता में एकता के सिद्धांत में है।

भारत अपने सारे लोगों से मिलकर बना है। जाति, नस्ल, धर्म और लिंग के किसी भी भेद से एकदम परे। इसमें हमारी संस्कृति भी है जिसे सहिष्णुता और सह–अस्तित्व के द्वारा परिभाषित किया जाता है। इसमें अनेकता भी है, जिसे सहेजते हुए हम अब तक एक बने हुए हैं। इसमें हमारी एक–एक इंच भूमि शामिल है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र या सीमा की हो। इसमें सारे प्राकृतिक संसाधन, हमारी मानसिक और भौतिक ऊर्जा भी शामिल है। इसमें अतीत और वर्तमान में बनी सारी संस्थाएँ शामिल हैं।

सबसे पहले भारत का सरल अर्थ उन सारे तत्वों का पोषण और संरक्षण है जिनसे भारत बना है। इसमें किसी भी चीज को बाहर नहीं किया जा सकता। इसका अर्थ यह भी है कि जो भी भारत के हित में है, वह इसके उन सारे तत्वों के हित में भी है, जिनसे भारत बना है और इसमें भारत के नागरिक भी शामिल हैं।

'सबसे पहले भारत' की अवधारणा के विपरीत आज यह हो रहा है कि किसी एक की कीमत पर दूसरे का तुष्टिकरण, किसी खास पार्टी या व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए संस्थाओं का इस्तेमाल। ऐसा लगने लगा है, जैसे जो कुछ किसी एक दल के हित में नहीं है, वह भारत के भी हित में नहीं है। स्पष्ट रूप से, ऐसी नीतियों पर चलने वाला शासन भारत के हित में नहीं है।

आसान शब्दों में कहें तो, 'सबसे पहले भारत' में सरकारों और नागरिकों, दोनों द्वारा कोई भी कदम उठाने के दौरान राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर रखा जाता है। और अधिक आसान शब्दों में कहें तो जब भी आपको कोई संदेह हो, तो आप भारत और भारतीय जनता के चेहरों को देखिए। वर्तमान राजनीति और कांग्रेस नीत यूपीए के शासन से इसी अर्थ में 'सबसे पहले भारत' अलग है। भाजपा के लिए :

- ➪ किसी भी सरकार का एकमात्र दर्शन और धर्म **सबसे पहले भारत** होना चाहिए।
- ➪ सरकार का एकमात्र धर्मग्रंथ **भारत का संविधान** होना चाहिए।
- ➪ सरकार की एकमात्र शक्ति **जनशक्ति** होनी चाहिए।
- ➪ सरकार की एकमात्र प्रार्थना उसकी **जनता की भलाई** होनी चाहिए।
- ➪ सरकार का एकमात्र रास्ता '**सबका साथ, सबका विकास**' होना चाहिए।

खुली सरकार और जवाबदेह प्रशासन

प्रशासनिक सुधार भाजपा के लिए प्राथमिकता होंगे। इसके लिए हम उनका क्रियान्वयन प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत एक उचित संस्था के जरिए करने का प्रस्ताव करते हैं। इसका उद्देश्य सरकार की निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है। सरकारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं को नागरिकों के अनुकूल, भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह बनाने के लिए उनका पुनरीक्षण किया जाएगा। लोगों की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए और सरकारी एजेंसियों को नागरिकों के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। हम एक **प्रभावी लोकपाल** संस्था गठित करेंगे। हर स्तर के भ्रष्टाचार से कड़ाई और तीव्रता से निपटा जाएगा।

जन्म प्रमाण पत्र से लेकर स्कूलों में दाखिले तक, व्यापार स्थापित करने से लेकर कर अदायगी तक, हमारी वर्तमान व्यवस्था ने हमारे अपने लोगों की जिंदगियों को जटिल बना दिया है। हम इसमें सुधार करेंगे और इसे पहुँच, प्रभावशीलता और वितरण के संदर्भ में आसान बनाएँगे। इस दिशा में निम्न विशिष्ट कदम उठाए जाएंगे :

- सरकारी दस्तावेजों के डिजिटलीकरण को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जाएगा ताकि उन तक पहुँच आसान हो सके।
- कामकाज की समीक्षा, सामाजिक और पर्यावरणीय अंकेक्षण सारी सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए अनिवार्य होगा।
- सरकार में उद्योग, शिक्षाजगत और समाज के लोगों को शामिल किया जाएगा और उनकी सेवाएँ ली जाएँगी।
- अप्रचलित कानूनों, नियमों, प्रशासनिक संरचनाओं, तरीकों को हटाकर उन्हें पुनर्परिभाषित किया जाएगा और उन्हें उद्देश्यपूर्ण बनाया जाएगा।
- हम सरकारी कर्मचारियों के अंदर **'कर्तव्य भावना'** पैदा करेंगे क्योंकि लोगों का जीवन और उत्पादकता सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता पर निर्भर करती है।

कुल मिलाकर, हमारे शासन मॉडल का हॉल मार्क निम्न बिंदु होंगे :

- जन केंद्रित
- नीति प्रेरित
- समयबद्ध वितरण
- न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन

ई गवर्नेंस, आसान, सक्षम और प्रभावी

भाजपा का विश्वास है कि समानता और प्रभावोत्पादन के लिए सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है। इस

महत्त्वपूर्ण क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए एनडीए सरकार ने आईसीटी बनाई। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत पूरे विश्व की आईटी राजधानी (आईटी कैपिटल) बन गया। लेकिन इसके पीछे हमने देखा कि आईटी का लाभ नीचे तक नहीं पहुंचा। यह भाजपा के लिए उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है क्योंकि आईटी सामान्य लोगों के जीवन को प्रभावित करता है। भाजपा सुशासन के बारे में जानती है और ई गवर्नेंस गुड गवर्नेंस की रीढ़ होगी। भाजपा का उद्देश्य है एक डिजिटल इंडिया का निर्माण जिससे हर घर और हर व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से डिजिटल तरीके से सशक्त बनाया जा सके।

सूचना तकनीकि से यह संभव हो सका है कि सूचनाएं और सेवाएं हर महिला और पुरुष तक पहुंचाई जा सकें चाहे वह सुदूर क्षेत्रों में ही क्यों न रहता हो। यह काम आसानी से और प्रभावी तरीके से हो सकता है। सशक्तिकरण के लिए सूचना सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह दबाव और छलकपट को अपने आप खत्म कर देता है। हम करेंगे–

हम इस पर ध्यान देंगे कि पूरे देश में ब्राडबैंड के इस्तेमाल को और अधिक लोग कर सकें। हर गांव में ब्राडबैंड पहुंचाने पर हमारा जोर रहे।

- ➪ ई गवर्नेंस के लिए बेहतर तकनीकी अपनायेंगे और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे जन–जन से जोड़ेंगे जिससे सरकार में लोगों की भागीदारी बढ़े और एक प्रभावी जन–शिकायत प्रणाली विकसित की जा सके।
- ➪ ग्रामीण और अर्धशहरी (Semiurban) इलाकों में आईटी आधारित नौकरियां सृजित की जायेंगी।
- ➪ छात्रों के लिए तकनीक से जुड़े उत्पाद बनाये जायेंगे जो उनकी आर्थिक पहुंच के अनुकूल हों।
- ➪ बच्चों पर किताबों का बोझ घटाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।
- ➪ सभी संस्थानों और स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से सूचना तकनीक योग्य बनाया जायेगा। डिजिटल शिक्षा और प्रशिक्षण के उपयोग का विस्तार किया जायेगा।
- ➪ नेशनल रूरल इंटरनेट और टेक्नॉलाजी मिशन के तहत एक मिशन चलाया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए टेलिमेडिसिन और चल चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा दिया जायेगा। सही समय पर जानकारी के लिए कृषि क्षेत्र में आईटी का उपयोग किया जायगा। स्व–स्वास्थ्य समूह, खुदरा क्षेत्र और लघु क्षेत्र और ग्रामीण उद्योगपतियों को बढ़ावा देने में भी इनका उपयोग होगा।
- ➪ एक राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना शुरु की जायेगी जो केन्द्र से लेकर पंचायत तक सभी सरकारी कार्यालयों को कवर करेगी। गुजरात में लागू की गई ''ई–ग्राम विश्वग्राम स्कीम'' पूरे देश में लागू की जायेगी।

- ई–भाषा को बढ़ावा देंगे–राष्ट्रीय मिशन के लिए भारतीय भाषाओं का आईटी में प्रोत्साहित करेंगे।
- एस.सी/एसटी., ओबीसी और दूसरे कमजोर वर्गों के विकास के लिए, कल्याण के लिए आईटी से जुड़ा विकास करेंगे।
- भारत की अमूल्य संस्कृति, कला की विरासत को सुसंस्कमरण देने में आई टी का इस्तेमाल करेंगे इसमें सभी संग्रहालय और पुरालेख का डिजिटलाइजेशन किया जाएगा।
- खुला स्रोत और खुले मानक साफ्टवेयर को वरीयता दी जायेगी
- सरकार के हर कार्य की आधार सामग्री तैयार होगी। जिससे भ्रष्टाचार और काम की देरी में कमी आयेगी।
- तीव्रगति का डिजिटल हाइवे तैयार होगा जिससे देश को एकता में पिरोया जा सके।
- तकनीक का इस्तेमाल संचारण और वितरण की हानियों को कम करने में किया जाएगा।
- वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए मोबाइल और ई–बैंकिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

  भाजपा का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति कम्प्यूटर शिक्षित व डिजिटली शिक्षित हो। इस लक्ष्य के साथ भारत को ज्ञान का वैश्विक केन्द्र बनाना है, आईटी इसका प्रमुख ड्राइवर भी होगा और इंजन भी। (प्रमुख सारथी होगा और रथ का पहिए भी)।

संस्थागत सुधार–प्रशासनिक, न्यायिक, पुलिस और निर्वाचन

प्रशासनिक

आज इस देश का नागरिक वर्तमान व्यवस्था से निराश है। हमारी प्रसाशनिक ढांचा व्यक्ति केन्द्रित, जबाबदेह और परिणाम देने वाला होना चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए हम इस तरह के सुधारों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

- प्रशासन और इसके सदस्य वास्तव में उनको दिए काम के प्रति उत्तरदायी होंगे जिससे कि लोग वृहद विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें।
- बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित (पुरस्कृत) किया जाएगा, जो अच्छा नहीं कर पाएंगे उन्हें अवसर और प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे वेहतर कर सकें।
- मंत्रालयों का तार्किकरण और विलय किया जायगा। विभाग और सरकार की दूसरी शाखाओं को सुनिश्चित किया जाएगा कि उनका फोकस परिणाम पर हो।
- सरकार ऐसा इंतजाम करेगी जिससे कि उद्योगों को शैक्षणिक, सामाजिक रूप से और दक्ष कुशल लोग मिलें।

- युवाओं के लिए विभिन्न स्तरों पर फेलोशिप और इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरु किए जायेंगे जिससे सरकार को उनकी सेवाएं विशेष रूप से मिल सकें।

न्यायिक

- सबके लिए न्याय सुनिश्चित कराने के लिए बीजेपी कटिबद्ध है। न्याय वह जो सही समय पर और सहज मिले। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि देर से मिले न्याय का मतलब है न्याय मिला ही नहीं। लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए भाजपा विभिन्न तरीके अपनाएगी जिसे न्यायिक प्रणाली के तहत हम करेंगे।
- न्यायिक प्रणाली में सुधार के लिए प्राथमिकता के आधार पर जजों की नियुक्ति की जाएगी। रिक्त पद भरे जाएंगे, नये कोर्ट खुलेगें, एक एकसी प्रणाली विकसित की जाएगी जिससे विभिन्न स्तरों पर लंबित मामलों का निपटारा हो।
- मिशन की तरह एक प्रोजेक्ट चलाया जाएगा जिससे न्यायपालिका में रिक्त पदों को भरा जाए। अदालतों की संख्या और निचली अदालतों में जजों की संख्या दोगुनी की जाएगी।
- उच्च अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का गठन किया जाएगा।
- कोर्ट की क्षमता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए एक फंड होगा।
- अलग से विशेष अदालतों का गठन किया जायेगा जिन में वाणिज्य सम्बन्धी कानून के मामलों का द्रुतगति से निपटारा किया जायेगा।
- अलग तरीके की कोर्ट बनाई जाएगी जिसमें विशेष वाणिज्यिक कानूनों की जरूरत होगी। जिससे ऐसे मामले द्रुत गति से निपटाए जा सकें।
- आपराधिक न्यायप्रणाली में सुधार किया जाएगा जिससे तुरंत और प्रभावी ढंग से न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके। इस विषय पर पहले की रिपोर्ट में सुझाव आ चुके हैं इनका परीक्षण करने के बाद यह तय होगा।
- पूरे देश के न्यायालयों का कम्प्यूटरीकरण करने की शुरूआत की जाएगी।
- न्यायिक प्रणाली के सभी स्तरों पर द्रुतगति अदालतों का गठन किया जाएगा।
- लोक अदालत और न्यायाधिकरण जैसी प्रणाली भी विकसित की जाएगी जिससे विवादास्पद मुद्दों को वैकल्पिक तरीके से निपटाया जा सके।
- नैशनल लिटिगेशन पॉलिसी बनाई जाएगी जिसका ध्येय लंबित मामलों को कम समय में निपटाने पर जोर होगा।

- अगले 5 साल में सरकार ने जो याचिका दायर की है उन मामलों की संख्या समीक्षा बैठकों के बाद तार्किक तरीके से कम की जायेगी।
- समय–समय पर कानूनों की समीक्षा होगी और पुराने अप्रचलित कानूनों को हटा दिया जाएगा।
- आईपीआर केसों को निपटाने के लिए विशेष अदालतें बनाई जाएंगी।
- विवादों के वैकल्पिक निपटारे का तंत्र विकसित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किया जाएगा जैसे लोक अदालत, न्यायाधिकरण और समझौता केन्द्र।
- वकीलों के सशक्तिकरण के लिए एक विशेषीकृत राष्ट्रीय ई–पुस्तकालय बनाया जायेगा।
- न्यायपालिका में लिंग भेद कम करने के लिए वकालत व न्यायपालिका में महिलाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।
- कानून में सहायता देने वाली विशेषीकृत विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी जो फोरेंसिक, पंचफैसला (अर्बिट्रेशन) बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों में विशेषता हासिल कराएगी।
- भारत को पंचफैसला और विधिक प्रक्रिया आइटसोर्सिंग का केन्द्र बनाया जाएगा। इसके साथ–साथ कानूनी तंत्र में इस तरह का सुधार किया जाएगा कि वह आम आदमी को सहज तरीके से उपलब्ध हो।
- जो दुरुह या कठिन कानून है उन्हें आसान या सरल बनाने के लिए विस्तार से उसकी समीक्षा की जाएगी। ऐसे कानून जिनका दोहररीकरण हो रहा हो, विरोधाभाषी और अव्यावहारिक हों उन्हें समाप्त किया जाएगा।
- एक संस्थानिक प्रणाली बनाई जाएगी जो समय–समय पर हमारे कानूनों की समीक्षा करेगी और इन्हें बेहतर बनाने में सुझाव देगी।
- कानूनी प्रक्रिया और भाषा को आसान बनाया जाएगा।
- ऐसी व्यवस्था की जाएगी जिसमें कानूनी जानकारी सबको मुफ्त उपलब्ध हो।
- कानून की जानकारी देने के लिए जगरुकता अभियान चलाए जाएंगे और इसे स्कूल के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। जिससे आम आदमी अपने अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जागरुक हो सके।

पुलिस

- हमारी पुलिस कानून व्यवस्था को बनाए रखने की एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाती है। यह हमारे लोकतंत्र का एक केन्द्रीय खंभा है, हम राज्यों के साथ मिलकर उन्हें अधिकार

देकर सशक्त बनाएंगे, उन्हें आवश्यक स्वतंत्रता और संसाधन उपलबध कराएंगे।

- एक ऐसी विस्तृत रणनीति तैयार करेंगे जिससे भारतीय पुलिस अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हो सके।
- पुलिस बल की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी।
- पुलिस का आधुनिकीकरण किया जाएगा, उन्हें आधुनिकीकृत तकनीक से लैस किया जाएगा।
- खुफिया सूचनाओं के आदान–प्रदान और अपराध के नियंत्रण के लिए पूरे देश के थानों को जोड़ने की शुरुआत की जाएगी।
- जांच को मजबूत करने के लिए प्रक्रिश को आसान, पारदर्शी, साफ स्वच्छ और निर्णायक बनाया जाएगा। इससे अवैध तरीके से जांच को प्रभावित नहीं किया जा सकेगा और भोले व्यक्ति को सुरक्षा कवच मिलेगा।
- सतत् प्रशिक्षण, विशेषकर कौशल विकास के जरिए जांच में विशेषीकृत दक्षता विकसित की जायेगी।
- खुफियातंत्र का पूरी जांच–परख के बाद नवीनीकरण किया जायगा। मानवीय और तकनीक चीजों के एकीकरण और समन्वय करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वास्तविक समय के अनुसार इसे संपूर्णता में पिरोया जाएगा। इसमें विशेष और कार्य योग्य तत्व डाले जाएंगे।
- तकनीक और बुनियादी सुविधाओं के साथ जेल व्यवस्था, कैदियों की व्यवस्था या जेल तंत्र का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इनकी सुरक्षा बढ़ाई जाएगी इसमें मानवाधिकार और उसके सही दिशा का ध्यान रखा जाएगा।
- एक समान राष्ट्रीय मानक और क्रमाचार बनाने के क्षेत्र में काम किया जाएगा।
- पुलिस को प्रशिक्षित किया जाएगा उसे ऐसी तकनीक दी जाएगी कि वह साइबर अपराध समेत तमाम अपराधों पर लगाम लगाने में सक्षम हो।
- तटीय पुलिस व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए समुद्र के किनारे बसे राज्यों को चर्चा के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा।
- सामुदायिक पुलिस व्यवस्था के सदियों पुराने तौर–तरीकों पर आज की परिस्थिति के अनुसार पुर्नव्याख्या कर ऐसे रास्ते ढूंढे जाएंगे जिसमें पुलिस जनता के करीब जा सके। इनमें विश्वास और मित्रता का भाव पैदा हो। दोनों मिलकर आम लोगों की सुरक्षा और समृद्धि के लिए काम कर सकें।
- पुलिस कर्मियों की कार्य दशाओं को सुधारने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

निर्वाचन

भाजपा चुनाव सुधार करने के लिए कटिबद्ध है जिससे अपराधियों को राजनीति से बाहर किया जा सके। भाजपा दूसरे दलों के साथ विचार विमर्श करके ऐसा तरीका बनाना चाहती है जिससे विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ–साथ हों। इससे सरकार और राजनैतिक दलों का खर्च कम होगा। इससे राज्य सरकार में थोड़ी स्थिरता आएगी। हम चुनाव में खर्च की सीमा में बदलाव लाना चाहते हैं।

अधिक व्यापक मंच

भारत के कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो ऐतिहासिक रूप से सुविधाहीन हैं, असंतुलित विकास दृष्टिकोण और संसाधनों के अनुचित वितरण होने के कारण, वे देश के दूसरे भागों से सामाजिक आर्थिक रूप से कटे रहते हैं। जबकि उनके पास प्राकृतिक संसाधन और प्रतिभा भरपूर होती है। इसी के साथ हमारी आबादी का लाभ भी वास्तविक तरीके से ठीक नहीं हुआ है। वह सरकार की जिम्मेदारी है कि हर भारतीय को अपनी क्षमता का अहसास हो और विकास की धारा समान रूप से बहे। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सुनिश्चित करायेंगे–

- प्रत्येक भारतीय स्वास्थ्य और शैक्षिक दृष्टि से मजबूत हो।
- रोजगार के अवसरों को बढ़ावा हमारे आर्थिक मॉडल का केन्द्र बिन्दु होगा।
- सभी के लिए बुनियादी सुविधाएं, घर बिजली, पानी, शौचालय व अन्य चीजें उपलब्ध कराएंगे।

गरीब और अधिकारहीन – दरार को भरना

हमारी सरकार गरीब, हासिए पर पड़े लोगों और पीछे रह गए लोगों की होगी। प्रत्येक भारतीय उतना अधिकार रखता है जितना भारत के पास है। इसे देखते है उसे या उन्हें अपने सपने बुनने का अधिकर है कल के भारत में ऐसे 125 करोड़ ऐसे सपने होंगे और हम उन सपनों को पूरा करेंगे। हम अपने नागरिकों को केवल सपने देखने लायक ही नहीं बनाएंगे हम ऐसा इंतजाम करेंगे कि अपने सपने को पूरा करने में सक्षम हो सके।

विकास की प्रक्रिया का सबसे अछा फल वही है जिससे आम आदमी को खुशी मिले। वृद्धि और विकास का फल आवश्यक रूप से अतिनिर्धन, अति पिछड़े और हाशिए पर पड़े लोगों को मिलनी चाहिए। हम अन्त्योदय की अवधारणा में विश्वास करते हैं– जिसमें गीब को ऊपर उठाना है। अतिशय गरीबी और कुपोषण की समस्या को राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता से हल करना है। इसे हम मिशन के तरीके से लाएंगे।

- गरीबी दूर करने के प्रोग्राम और मजबूती से चलांगे। इसे एकीकृत, परदर्शिता और गुणवत्ता के माध्यम से।
- देश के 100 अति पिछड़े जिलों की पहचान की जाएगी। एकीकृत विकास के ढांचे में लेकर

इन्हें दूसरे जिलों के समकक्ष बनाया जाएगा।

- ➪ प्राकृतिक आपदाओं से बचने की व्यवस्था का आधार बनाकर प्राकृतिक संसाधनों को समृद्ध बनाया जाएगा।
- ➪ गांवों में कृषि व दूसरे कार्यों में लगे गरीब लोगों को कुछ अर्जित करने लायक बनाया जाएगा।
- ➪ शहर में रहने वाले गरीबों का इस तरह की क्षमता विकसित की जाएगी जिससे वे अवसरों का लाभ उठा सकें।
- ➪ सरकार के हर स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, सिविल सोसायटी, आकदमिक और वित्तीय संस्थान मिलकर गरीबी मिटाने का काम करेंगे।

खाद्य सुरक्षा

भाजपा का हमेशा से मानना रहा है कि सार्वभौमिक खाद्य सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी कि इन योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचे और भोजन का अधिकार सिर्फ कागज पर बना एक कानून या राजनीतिक नारा न रह जाए। भाजपा राज्यों के साथ मिलकर सभी कानूनों और योजनाओं की समीक्षा करेगी ताकि खाद्य सुरक्षा के भ्रष्टाचार मुक्त प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके। ये हमारी प्राथमिकता होगी :

भाजपा करेगी–

- ➪ सफल पीडीएस मॉडल की समीक्षा और वर्तमान में चल रही सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बदलाव जिससे आम आदमी को लाभ मिले।
- ➪ कुपोषण और भोजन की कमी की समस्या पर ध्यान
- ➪ दाल, तेल और खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ावा देना।
- ➪ फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया के ढांचे में आमूल चूल बदलाव
- ➪ किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा या बाह्यसंकट से निपटने के लिए आकस्मिक स्टॉक का भंडारण।
- ➪ गैर सरकारी संगठनों का कम्युनिटी किचन में भागीदारी सुनिश्चित करना।

एस.सीएसटी और इसके गरीब तबके को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण

भाजपा सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय के सिद्धातों का पालन करने के लिए कटिबद्ध है। पार्टी इसमें आ रही दूरी पर पुल बनाना चाहती है। यही सामाजिक न्याय आगे चलकर आर्थिक न्याय और राजनीतिक सशक्तिकरण दिलाता है। इनके नाम पर राजनीति करने की अपेक्षा हम सामाजिक दबे कुचले लोगों के सशक्तिकरण पर फोकस करेंगे। इसके लिए हम ऐसा वातावरण बनाएंगे जिसमें सबको

शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर का समान अवसर मिले। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता इन्हें सुरक्षा प्रदान करने की है, विशेषकर एससी/एसटी के लिए भेदभाव को देखते हुए।

हमें इस बात का विश्वास है कि सामाजिक न्याय की तीव्रगति और एकीकृत विकास ही हमारे देश के प्रगति की कुंजी है और लोकतंत्र की सफलता है सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता के बीच जो दीवार खड़ी हो गई है बीजेपी उस दीवार को तोड़ने के लिए कटिबद्ध है। हम केवल इनके नाम पर राजनीति नहीं करते, एससी/एसटी, ओबीसी और दूसरे गरीब तबके के लोगों के खिलाफ किसी तरह का अन्याय बर्दास्त नहीं होगा। भाजपा इनके लिए वास्तविक विकास और सशक्तिकरण पर ध्यान देगी।

- ➪ ऐसा वातावरण तैयार किया जाएगा जिसमें एससी/एसटी ओबीसी और दूसरे गरीब तबकों को प्रथमिकता के आधार पर शिक्षित और उद्योगपति बनेंगे।
- ➪ भाजपा हर स्तर पर छुआछूत और अश्पृश्यता खत्म करने के लिए कटिबद्ध है।
- ➪ भाजपा ऐसे लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने के लिए अधिक प्रभावी प्रयास करेगी।
- ➪ भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि एससी/एसटी और ओबीसी के लिए जिस फंड की व्यवस्था की गई है उसका बेहतर तरीके से उपयोग हो।
- ➪ इनके घर, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल डेवलेंपमेंट के लिए एक मिशन चलाया जाएगा। इस सोसाइटी के बच्चों, विशेषकर बालिकाओं के शिक्षा स्वास्थ और दक्षता के पढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

आदिवासियों का विकास एक बड़ा मुद्दा होगा। भाजपा का विशवास है कि बिना दिल के थोड़ा–थोड़ा और टुकड़ों–टुकड़ों में विकास से आदिवासियों का कल्याण नहीं होगा। इसलिए भाजपा वनवासी लोगों को सशक्त बनाने और उनका कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और समावेशी रणनीति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य आदिवासियों का कल्याण सुनिश्चित करना है लेकिन इस समुदाय विशेष पहचान को सुरक्षा करते हुए। गुजरात, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सरकारें आदिवासी कल्याण की योजनाएं सफलतापूर्वक चला रही हैं इनके मॉडल और योजनाओं को आदिवासियों के कल्याण और विकास में इस्तेमाल हो सकता है।

भाजपा करेगी–

राष्ट्रीय स्तर पर वन बंधु कल्याण योजना शुरु की जाएगी जो आदिवासी कल्याण अथॉरिटी के तहत काम करेगी। इस स्कीम से इन बिंदुओं पर फोकस होगा।

- ➪ आदिवासियों के लिए एक शैक्षिक प्रणाली विकसित की जाएगी।
- ➪ घर, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।

- आदिवासी इलाकों में बिजली मुहैया कराई जाएगी सभी मौसम में चलने लायक सड़कें होंगी।
- नई आर्थिक गतिविधियां शुरु की जाएंगी।
- आदिवासियों के परंपरागत उत्पादों को प्रमोशन के लिए पर्यटन वाली जगहों और दूसरी जगहों पर आदिवासी बाजार (ट्राइबल हाट) खोले जाएंगे।
- यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासी अपनी भूमि से जुदा न हो।
- जंगल से निकलने वाले उत्पादों को बाजारों तक पहुंचाया जाएगा।
- आदिवासियों की संस्कृति और भाषा को संरक्षित करे के लिए आदिवासी शोध एवं संस्कृति के राष्ट्रीय संख्या की स्थापना की जाएगी। (नेशनल सेंटर फॉर ट्राइबल रिसर्च एंड कल्चर)
- आदिवासियों के विकास और कल्याण के लिए फंड में बढ़ोत्तरी की जाएगी।

अल्पसंख्यक : समान अवसर

भाजपा का विश्वास है कि भारत विभिन्नता में एकता वाला देश है और यही इसकी सबसे बड़ी क्षमता है। हम देश की गहराई और भारतीय सोसायटी की भिन्नता इसे मजबूत बनाती है। हम इसका महिमामंडन करते हैं ओर एमदम करते हैं। भाजपा इस समृद्ध संस्कृति को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। और अल्पसंख्कों से जुड़े उन स्मारकों को भी, इसके साथ ही उनका सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण करना चाहती है। यह दुर्भाग्य की बात है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी अल्पसंख्सकों का एक बड़ा समूह विशेषकर मुस्लिम समुदाय लगातार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। आधुलिक भारत समान अवसर वाला होना चाहिए। भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत के विकास में सभी समुदाय की समान भागीदारी होनी चाहिए। हमारा विश्वास है कि अगर कोई समुदाय पीछे छूट गया तो भारत प्रगति नहीं कर सकता। हम करेंगे–

- हम यह सुनिश्चित कराएंगे कि युवा, विशेषकर लड़कियों को शिक्षा मिले और बिना किसी भेदाभाव को नौकरी मिले।
- अल्पसंख्यक शैक्षणिक व्यवस्था और संस्थानों को सशक्त एवं आधुनिक बनाया जायेगा। उन्हें आधुनिक आवश्यकताओं से जोड़ेंगे। राष्ट्रीय मदरसा आधुनिकीकरण कार्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।
- उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना और उद्योग के क्षेत्र में सुविधाएं उनलब्ध कराई जाएंगी।
- उनको कलात्मक समृद्ध परंपरा और औद्योगिक क्षमता को जो हमारी छोटे उद्योगो की रीढ़ है। इसे क्षेत्र को बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर मजबूत बनाया जाएगा। इनकी

ब्रैंडिंग की जाएगी और बिक्री बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

- ➪ धार्मिक नेताओं से बातचीत करके वक्फ बोर्ड को और मजबूत किया जाएगा। ऐतिहासिक जगहों की संरक्षण और मेंटिनेंस रखरखाव किया जाएगा।
- ➪ शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा जहां न तो शोषण का छर रहेगा और न ही तुष्टिकरण का।
- ➪ इंटरफेस कंसल्टेंटिव मेकेनिज्म–आंतरिक रूप से विश्वसनीय प्रणाली बनाई जाएगी जिससे आपसी विश्वास व भाईचारे का माहौल बना रहे, यह धार्मिक नेताओं की देखरेख में इसका काम होगा।

नव मध्य वर्ग–हासिल कर सकेंगे हसरतें

भारत एक विशाल मध्यवर्ग वाला देश है जिसमें योग्यता भी है और खरीदने की क्षमता भी। इसके अतिरिक्त एक नये वर्ग का उदय हो रहा है। वे लोग जो गरीबी से ऊपर उठे व अंश मध्य वर्ग में आए अब नव मध्यवर्ग में है, यह वर्ग बहुत तेजी से हासिल करना चाहता है। यह गरीबी से निकल चुका है इसकी हसरतें बढ़ गई हैं। उन्हें सुविधाएं चाहिए और स्टेंडर्ड सेवाएं। ऐसे लोगों को महसूस होता है कि सरकारी सुविधाएं उनके स्तर की नहीं है और ऐसे में ये लोग निजी क्षेत्र की तरफ शिक्षा स्वास्थ्य और परिवहन के लिए देखते हैं। निश्चित रूप से यह महंगी पड़ती है।

नव मध्य वर्ग हमेशा दुविधा में रहता है। अधिक से अधिक लोग इस क्षेत्रों में जा रहे हैं। उनकी अपेक्षा है कि उन्हें अच्छी से अच्छी सेवा मिलनी चाहिए। हम पब्लिक सेक्टर को इतना मजबूत करेंगे कि वह हमारे नागरिकों का दक्ष–प्रभावोत्पादक सेवा दे सके। सरकार इन सबका यान रखते हुए ये उपलब्ध कराएगी।

- ➪ शैक्षिक छात्रवृत्ति और शैक्षिक सुविधाएं।
- ➪ स्वास्थय बीमा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं
- ➪ मध्य आए इनकम वाले घर
- ➪ प्रभावी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली

ग्रामीण क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता

हमारी 2/3 जनसंख्या गांवों में रहती है सुविधाओं की कमी और काम के अवसर की कमी से हमारी ग्रामीण जीवन को बांध दिया है। यह समस्या इसलिए दिखाई दे रही है क्योंकि इस क्षेत्र की वर्षों से अनदेखी की गई। ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए ग्रामीण उत्थान कार्यक्रम चलाया जाएगा। जिसमें कार्मिक आर्थिक और सामाजिक कल्याण ग्रामीणों का देखा जाएगा।

टर्बन का का विचार जिसमें शहरी सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान की जाएंगी। इसमें गांव की

आत्मा को बचाए रखते हुए।

कृषि, ग्रामीण विकास और गरीबी रेखा से निकालना हाथ के हाथ होगा। मुख्य लक्ष्य होगा ग्रामीण विकास का उसमें गांव की बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देना, रोड, पीने का पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, वितरण प्रणाली, बिजली, ब्राडबैंड, नौकरी की उम्मीद, ग्रामीरण क्षेत्रों की सुरक्षा और इसे बाजार से जोड़ना मुख्य होगा।

शहरी क्षेत्र – उच्च वृद्धि केन्द्र

एक तिहाई से अधिक आबादी शहरों और टाउन में रह रही है इसमें शहरी क्षेत्र में इनमें से आधे लोग रहते हैं। हमारी शहरों में गरीबी और दूसरी समस्याएं नहीं दिखनी चाहिए। यह दक्षता तेजी और तीव्रता के प्रतीक हैं

- हम शहरीकरण को एक अवसर के रूप में देखते हैं न कि समस्या की तरह।
- शहरी क्षेत्र को और ऊपर उठाने के लिए परिवहन और हाउसिंग के क्षेत्र में और कदम उठाने हांगे।
- हम 100 नए शहर बसाने की शुरुआत करेंगे। जो नवीन तकनीक और बुनियादी सुविधाएं
- बुनियादी सुविधाएं इस तरह की बनाई जाएंगी जिससे सतत विकास की धारणा मजबूत हो जिसमें चलते–चलते काम हो जाए और इसमें विशेष क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा।
- शहरी विकास एकीकृत परिस्थिति निकायी पर आधारित होगा जिसमें जुड़वा शहर और सेटेलाइट टाउन बनाए जा सकेंगे।
- वर्तमान शहरी क्षेत्र को बेहतर बनाया जाएगा इसमें बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने पर ध्यान दिया जाएगा जहां पर स्वच्छ और स्वस्थ्य जीवन के लिए कूड़ा और पानी प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना होगा।
- सफाई और स्वच्छता हमेशा प्राथमिकता में होंगे, सक्षम कूड़ा निस्तारण और पानी प्रबंधन की व्यवस्था होगी। मॉडल टाउन–एकीकृत कूड़ा निस्तारण प्रणाली से पहचाने जाएंगे।
- वाई–फाई सुविधा सार्वजनिक स्थानों और व्शपारिक संस्थानों के पास उपलब्ध रहेगी।
- शहर की गरीबी दूर करना मूल मूल्य होगा।
- तकनीक का इस्तेमाल वैज्ञानिक रणनीति और बेवी अवधि की प्लानिंग बनाने में होगा इसमें GIS आधार पर मैपिंग होगी।
- बेहतर सर्वाजनिक परिवहन प्रणाली विकसित की जाएगी जिससे निजी वाहन के प्रयोग के हतोत्साहित किया जाए।

आगे की छलांग

हमें इसी पीढ़ी को एक विकसित देश का आस्वादन कराना है। हमें एक मात्रात्मक एवं गुणात्मक छलांग लगानी है। त्वरित प्रतिक्रियावादी और उत्तरोत्तर परिवर्तन का वक्त बीत गया है। हमें लंबी छलांग लगाने एवं पूर्ण परिवर्तन की जरूरत है। हम यह भी मानते हैं कि विकास संपूर्ण समरूप एवं सर्वव्यापी होना है। फिर, हमें यह भी देखना है कि जो कुछ भी हो रहा है उसमें लोगों की सक्रिय भागीदारी हो और हम उन्हें इतना सशक्त बनाएं कि वे विकास प्रक्रिया का लाभ लें। हम प्रयास करेंगे कि सरकार उन तमाम सेवाओं से अपने हाथ खींच ले जो दूसरों के द्वारा की जा सकती हैं और वह अपना अतिरिक्त समय, धन और ऊर्जा सामाजिक क्षेत्रों, खासतौर पर कमजोर तबकों के विकास के लिए लगाए। और हमारे तमाम विचारों एवं प्रयासों में एक साझा धागा होगा। यह साझा धागा टैक्नॉलाजी (प्रौद्योगिकी) का है– शासन को सरल, मितव्ययी एवं प्रभावी बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा– एक फिक्रमंद सरकार; संवेदनशील समाज

भारत हमेशा से ही एक परस्पर ख्याल रखने वाला समाज रहा है। बुजुर्गों कमजोरों और निस्सहायों की मदद करना हमारी संस्कृति में रहा है। हमें इसे बनाए रखना है। हमें अपनी युवा पीढ़ियों को इस बारे में शिक्षित करना है। सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को ज्यादा अर्थपूर्ण बनाना होगा। जब हमारा सामना कमजोर समाजिक आधारभूत ढांचे से होता है तो हमारी आकांक्षाएं पस्त हो जाती हैं। हमें इसकी दैनिक आधार पर जरूरत है।

बच्चे–राष्ट्र का भविष्य

"एक समाज की आत्मा इससे ज्यादा और किसी बात से परिलक्षित नहीं होती कि वह अपने बच्चों का किस तरह ख्याल रखता है।"

–नेल्सन मंडेला

बच्चों के कल्याण से जुड़े संकेतक राष्ट्र की प्रगति के संकेतक होते हैं, चाहे बच्चों की सेहत शिक्षा या उनकी सुरक्षा से जुड़ मामला हो। यूपीए शासन के अंतर्गत इसे सुमुचित तबज्जो नहीं दी गई। भाजपा बच्चों से जुड़े मामलों, जैसे कुपोषण बाल मजदूरी की समस्या बाल तस्करी एवं बच्चों की गुमशुदगी, यौन शोषण, स्कूल छोड़ना एवं किशोरों के बीच अपराध की बढ़ती दर के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। बच्चों की अस्तित्व–रक्षा, विकास, भागीदारी एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए भाजपा निम्न कदम उठाएगी :

- दुर्बल बच्चों और खास तौर पर अनुसुचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, विस्थापितों, झुग्गीवासियों, फुटपाथ पर रहने वालों एवं विकलांगों जैसे कमजोर समुदायों के बच्चों पर विशेष जोर देगी।
- शिक्षा का अधिकार, खाद्य अधिनियम का अधिकार के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी।

- बाल एवं किशोर श्रम (निवारण एवं विनियमन) कानून, 2012 तथा एकीकृत बाल सुरक्षा योजना (आईसीपीएस) की समीक्षा करेगी, संशोधन करेगी और सुदृढ़ बनाएगी।
- रक्ताल्पता के मसले का समाधान करने के लिए संकेन्द्रित प्रयास करेगी।
- शिक्षा की गुणवत्ता से बगैर समझौता किए बच्चों पर किताबों का बोझ कम करेगी।
- बच्चों में मूल्यों की प्रतिस्थापना के लिए काम करेगी।

वरिष्ठ नागरिक

भाजपा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण विशेषकर उनकी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मसलों से निपटने के लिए हम संगठित तरीके से कदम उठाएंगे।

- भाजपा उन्हें वित्तीय समर्थन प्रदान करेगी। इसके लिए वह अतिरिक्त कर लाभागों एवं उच्च ब्याज दरों जैसे उपायों पर गौर करेगी।
- भाजपा वृद्धाश्रमों की स्थापना करने और उन्हें बेहतर बनाने में निवेश करेगी।
- भाजपा राष्ट्रीय हित में उनके अनुभव का उपयोग करेगी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के विविध विकास कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिकों को कार्यकर्ताओं आंशिक कामगारों के तौर पर शामिल करने के लिए योजनाएं एवं कार्यक्रम बनाएगी। इससे न केवल उनके समय का उपयोग करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह उनके अनुभव का एक प्रभावी उपयोग भी होगा और यह उनके लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी हो सकता है।

शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण व्यक्ति

करीब 7 करोड़ लोग विकलांगता से पीड़ित हैं, और भाजपा इसे एक गंभीर अनदेखी मानती है। विकलांग लोगों का कल्याण और पुनर्वास एक देखभाल करने वाले समाज और एक उत्तरदायी सरकार के हमारे दृष्टिकोण का एक अभिन्न भाग है। भाजपा निम्न बातों के लिए प्रतिबद्ध है–

- विकलांग लोगों के अधिकारों से संबंद्ध विधेयक को कानूनी रूप देना।
- अन्य तौर पर योग्य विद्यार्थियों को घर में ही ई–लर्निंग के जरिए कम खर्च में गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना यानि विकलांग विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना।
- देश भर में प्रतयेक एवं विशेष जरूरतमंद व्यक्ति की पहचान करना। इसके लिए एक वेब आधारित विकलांगता पंजीकरण प्रणाली शुरु करना और तमाम सरकारी लाभों (स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, रोजगार, शिक्षा आदि) के लिए सार्विक पहचान पत्र (यूनिवर्सल आईडी) जारी करना।

- ➪ सार्वजनिक सुविधाओं, सार्वजनिक भवनों एवं परिवहन तक विकलांगों की सुविधा के हिसाब से पहुंच सुनिश्चित करना।
- ➪ विकलांगों के लिए अधिकतम आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना। इस वास्ते उनके लिए ज्यादा आय प्रदान करने वाले काम पैदा करना
- ➪ विकलांगों के कल्याण के लिए काम करने वाले स्वयंसेवी संगठनों को समर्थन एवं सहायता प्रदान करना।
- ➪ विकलांग की देखभाल करने वाले पारिवारिक सदस्य के लिए उच्च कर राहत प्रदान करना।

युवा वर्ग– न रुकने वाला भारत

युवाओं, मेरी उम्मीद आपसे है। क्या आप अपने देश की पुकार सुनेंगे? अगर आप मुझ पर विश्वास करने का साहस करें तो आपमें से प्रत्येक का एक शानदार भविष्य है।

> "अपने में प्रचुर विश्वास रखें, वैसा ही विश्वास जैसा कि मेरे अंदर बचपन में था, और जैसा कि मैं मन रखते हुए काम कर रहा हूं। आपमें से प्रत्येक यह भरोसा रखें कि हरेक आत्मा में वह शाश्वत शक्ति निहित है– और आप पूरे देश को पुनर्जीवित कर देंगे।"

–स्वामी विवेकानन्द

भाजपा युवाओं को देश की सबसे उत्पादक संपदा मानती है। देश को लगीग दहाई अंकों की विकास–दर प्रदान करने में युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युवाओं के प्रभुत्व वाले तमाम क्षेत्र अत्यधिक अच्छा कर रहे हैं। भारत सबसे पुरानी सभ्यता है, लेकिन सबसे युवा मुल्क है और इसलिए आवश्यकता है कि नीतियां ऊर्जा के अनुभव के समुचित सम्मिश्रण पर आधारित होनी चाहिए, ताकि युवा विकास प्रक्रिया का एक अभिन्न हिस्सा बनें। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम नीतियों की समीक्षा करेंगे और उनमें सुधार करेंगे ताकि युवा निर्णय प्रक्रिया में और राष्ट्र निर्माण लेने वाले निकायों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

- ➪ हम तमाम क्षेत्रों में युवा नेता कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। इसका मकसद अतिरिक्त रूप से प्रतिभावान युवाओं की पहचान करना, उन्हें पुरस्कृत करना और उन्हें विकास प्रक्रिया में शामिल करना है ताकि वे दूसरों के लिए रोल मॉडल और मार्गदर्शक बनें।
- ➪ राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद की स्थापना करना।
- ➪ नए प्रयोगों, आविष्कारों एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साति करने के लिए भाजपा देश भर में जिला स्तर पर कार्यक्रम चलाएगी।
- ➪ विद्यार्थियों को ऋण देने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा और ऋणों को वहनीय

बनाया जाएगा।

- ➪ पूरे भारत में पड़ोसी बच्चों/युवाओं की संसद की स्थापना करना ताकि जीवंत विद्यार्थी समितियां बनें।
- ➪ विकास के लिए युवा कार्यक्रम की शुरुआत

खेल संवर्धन

भाजपा समाज में और तमाम आयु वर्गों के लिए खेल–कूद के महतव को समझती है। खेल–कूद का फिटनेस, अच्छी सेहत एवं उत्पादकता से सीधा ताल्लुक है। भारत ने खूल–कूद में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। उसे खेल–कूद के संवर्धन के लिए संगठित तरीके से निवेश करने की जरूरत है।

- ➪ भाजपा तमाम खेलों–पारंपरिक एवं आधुनिक का संवर्धन करेगी।
- ➪ खेलकूद के लिए ज्यादा धन आवंटित किए जाएंगे और हम खेल–कूद को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी निभाने में राज्य सरकारों को प्रोत्साहित करेंगे।
- ➪ स्कूल स्तर पर खूलकूद की संस्कृति पनपाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। एक स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने और खेल–कूद को स्कूल पाठ्यक्रम का निवार्य हिस्सा बनाने के लिए जरूरी सुविधाएं जुटाई जाएंगी और समुचित प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- ➪ एक **'राष्ट्रीय खेलकूद प्रतिभा खोज प्रणाली'** शुरु की जाएगी, ताकि असाधारण खेल–प्रतिभाओं को बेहद कम उम्र में ही पहचान लिया जाए।
- ➪ ऐसे प्रतिभावान लड़कों एवं लड़कियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा। मौजूदा ग्रामीण खेलकूद कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय महिला खेलकूद महात्सवों को विस्तृत किया जाएगा ताकि उन्हें हरेक गांव में पहुंचाया जाए और प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें विकसित और श्रेष्ठ बनाया जाए।
- ➪ खिलाड़ियों के लिए आकर्षक कॅरियर योजना बनाने की जरूरत है। इसके लिए उन्हें सरकारी नौकरियों, सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्रों में कॅरियर की सुरक्षा प्रदान की जाएगी।
- ➪ देशभर में खेलकूद अकादमियां स्थापित की जाएंगी।
- ➪ खिलाड़ियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाएगी
- ➪ खेलों एवं खिलाड़ियों को संरक्षण प्रदान करने के लिए कारोबारी घराने को प्रात्साहित किया जाएगा
- ➪ तमाम नई रिहायशी कालोनियों के लिए खेलकूद सुविधाओं को शामिल करना अनिवार्य किया जाएगा।

महिलाएं–राष्ट्र निर्माता

भाजपा समाज के विकास एवं राष्ट्र की तरक्की में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मनाती है और महिलाओं के सशक्तिकरण एवं कल्याण को उच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा शासित राज्यों ने विविध योजनाओं के जरिए इसे प्रदर्शित भी किया है। भाजपा यह भी मानती है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिलाओं की सुरक्षा एक पूर्व–शर्त है और वह महिलाओं के कल्याण के लिए निम्न कदम उठाएगी–

- ➪ सरकार के अंतर्गत तमाम स्तरों पर महिला कल्याण एवं विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। भाजपा संविधान संशोधन के जरिए संसद एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने को प्रतिबद्ध है।
- ➪ कन्याओं को बचाने एवं उन्हें पढ़ाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान–बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ छेड़ेगी।
- ➪ **बालिका समृद्धि, लाडली लक्ष्मी और चिरंजीवी योजना** जैसी पहले की सफल योजनाओं की सर्वोत्तम बातों को शामिल करते हुए एक व्यापक योजना तैयार करेगी ताकि कन्याओं के प्रति परिवारों में सकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिले।
- ➪ महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक मिशन की तरह कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें ग्रामीण, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन–जातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों की महिलाओं के पोषण एवं गर्भाधान पर विशेष जोर रहेगा।
- ➪ हम प्रशिक्षण एवं हुनर प्रदान करने के जरिए महिलाओं को समर्थ बनाएंगे। इसके लिए महिलाओं के लिए समर्पित आईटीआई और अन्य आईटीआई में महिला शाखाओं की स्थापना की जाएगी।
- ➪ महिलाओं से संबंधित कानूनों, खास तौर पर बलात्कार से जुड़े कानूनों का कड़ाई से कार्यन्वयन किया जाएगा।
- ➪ बलात्कार पीड़ितों की राहत एवं उनके पुनर्वास के लिए धनराशि केन्द्र में बिना उपयोग के पड़ी हुई है क्योंकि यूपीए सरकार ने इसके इस्तेमाल की प्रक्रिया तय नहीं की है। भाजपा प्राथमिकता के आधार पर इस काम का अंजाम देगी।
- ➪ एसिड हमले की शिकार महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार एक कोष बनाएगी ताकि ऐसी पीड़ितों के इलाज और कॉस्मेटिक सर्जरी के मेडिकल खर्च को उठाया जाए।
- ➪ पुलिस स्टेशनों को महिलाओं के अनुकूल बनाया जाएगा और विभिन्न स्तरों पर पुलिस में महिलाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी।
- ➪ आत्मरक्षा को विद्यालयीन पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनाया जाएगा

- महिलाओं की सुरक्षा के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का इस्तेमाल किया जाएगा।
- महिलाओं की जरूरतों के मद्देनजर अखिल भारतीय महिला चलित बैंक की स्थापना की जाएगी।
- महिलाओं के लिए विशेष हुनर प्रशिक्षण एवं कारोबारी प्रशिक्षण पार्क बनाए जाएंगे।
- महिलाओं के लिए विशेष कारोबार सुविधा केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।
- महिलाओं/कामकाजी महिला हॉस्टलों के नेटवर्क को विस्तृत किया जाएगा और उन्हें बेहतर किया जाएगा।
- हरेक जिले में महिलाओं के लिए समर्पित लघु एवं मध्यम स्तरीय उपक्रम स्थापित किए जाएंगे।
- आंगनबाड़ी कामगारों की कार्य–परिस्थितियों की समीक्षा की जाएगी और उनकी पगार बढ़ाई जाएगी।
- संपत्ति के अधिकारों, वैवाहिक अधिकारों और सहजीवन अधिकारों में किसी भी असमानता को दूर किया जाएगा।
- महिलाओं के लिए विशेष प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम शुरु किया जाएगा। इसमें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों एवं झुग्गियों की महिलाओं पर विशेष जोर रहेगा।
- यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महिला स्व–सहायता समूहों को निम्न ब्याज दरों पर कर्ज उपलब्ध हो।
- गरीबी रेखा से नीचे की लड़कियों, जनजाति महिलाओं के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे।
- कन्या भ्रूण हत्या, दहेज बाल विवाह, तस्करी, यौन शोषण, बलात्कार एवं पारिवारिक हिंसा को रोकने के लिए समुचित कदम उठाए जाएंगे।
- हम ग्रामीण भारत में महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को रूपांतरित करेंगे। इसके लिए हरेक घर में बिजली, पाइप के जरिए स्वच्छ पानी, धुआं रहित ईंधन एवं शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी।

शिक्षा– पढ़ो और आगे बढ़ो

भाजपा मानती है कि राष्ट्र की तरक्की के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली औजार है और गरीबी से लड़ने के लिए सबसे ताकतवर हथियार है। भारत में शिक्षा को पुनर्जीवित एवं पुनर्गठित किए जाने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी संस्कृति, धरोहर एवं इतिहास पर गर्व करें और भारत की

जीवंतता में विश्वास पैदा हो। तमाम शिक्षार्थियों के लिए अवसर की समानता एवं सफलता तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। एक ऐसे समरस, समांगी एवं आदर्श समाज की स्थापना की जाएगी जो लोकतांत्रिक मूल्यों का अनुपालन करे। यह सिर्फ तभी संभव होगा जब शिक्षा राष्ट्रीय अखंडता, सामाजिक जुड़ाव, धार्मिक भाईचारा, राष्ट्रीय पहचान एवं राष्ट्रभक्ति पर समुचित जोर दे। इस बात का भी विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि शिक्षा ने व्यक्तियों एवं समाज में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के लिए कितना योगदान किया।

शिक्षा को लोगों के मस्तिष्क को अंधविश्वासों, घृणा एवं हिंसा से अवश्य ही मुक्त करना चाहिए और राष्ट्रीय एकता, सामाजिक लगाव एवं धार्मिक सदभाव को पुख्ता करने का एक महत्वपूर्ण साधन बनना चाहिए। हमारा मकसद लोगों एवं समाज में नैतिक एवं मानवीय मूल्यों को प्रतिस्थापित करना होना चाहिए

भारत को एक ज्ञान समाज बनना है और उच्च स्तर के शिक्षित हुनरमंद श्रमशक्ति से स्पंदित होना है ताकि 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना किया जा सके। इसके लिए ऐसे साहसी एवं कल्पनाशील नेतृव की जरूरत है जो समुचित नीति बनाए एवं ढांचागत बदलाव करे।

शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं की भारी कमी, शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता और अधिकतर कोर्सों से जुड़ी रोजगार परकता की समस्या का समाधान निकालने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। शिक्षा को न केवल रोजगारपरकता बढ़ाने वाली होनी चाहिए बल्कि इसे एक राष्ट्रीय बहु–हुनरोन्मुखी कार्यक्रम चलाकर रोजगार सृजन एवं उद्यमशीलता पैदा करने वाली बनाना चाहिए।

हम देश में शिक्षा प्रणाली की समीक्षा एवं सुधार करना चाहते हैं। शिक्षण समुदाय के वेतन ढांचों की समीक्षा एवं सुधार करना चाहते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण हम शिक्षकों (फैकल्टी) की कमी और उससे जुड़े मसलों का समाधान करना चाहते हैं। व्यवस्था को जनोनुकूल बनाया जाएगा और प्रणाली की विश्वसनीयता को बहाल किया जाएगां

शिक्षा में निवेश को सबसे ज्यादा लाभांश मिलता है। शिक्षा पर सरकारी खर्च को बढ़ाकर जीडीपी का 6 फीसदी किया जाएगा और निजी क्षेत्र को इसमें शामिल कर इसमें और इजाफा किया जाएगा।

सभी के लिए महत्वपूर्ण शिक्षा के तहत भाजपा निमन कदम उठाएगीः

स्कूली शिक्षा

➪ एनडीए का प्रमुख कार्यक्रम '**सर्वशिक्षा अभियान**' : इसके काम की ऑडिट के लिए और इसके कार्य प्रदर्शन की सही समय पर सूचना प्राप्त करने के लिए प्रणाली स्तापित की जाएगी। निरक्षरता दूर करने के मकसद से कार्यक्रम को सुदृढ़ किया जाएगा और इसका विस्तार किया जाएगा।

- माध्यमिक विद्यालय शिक्षा को सार्विक किया जाएगा और प्रयोगात्मक स्कूल के जरिए हुनर विकास को गंभीरतापूर्वक आगे बढ़ाया जाएगा जिसमें खास तौर पर ग्रामीण, आदिवासी एवं मुश्किल इलाकों पर जोर रहेगा।
- स्कूली शिक्षा की सामग्री एवं प्रक्रिया की पूरी तरह समीक्षा की जाएगी ताकि इसे गव्यात्मक, तनाव–मुक्त एवं उभरती राष्ट्रीय जरूरतों के अनुकूल बनाया जाए।
- लड़कियों को स्कूल शिक्षा जारी रखने एवं पूरी करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।
- बच्चों की सीखने की परिस्थितियों में डिजिटल विभाजन को और ज्यादा विभाजित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
- भिन्न रूप से योग्य विद्यार्थियों के लिए विशेष शिक्षण–पद्यति विकसित की जाएगा।
- मदरसों के लिए प्राथमिकता के आधार पर एक राष्ट्रीय आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरु किया जाएगा।
- मध्याह्न भोजन योजना का प्रबंधन एवं सेवा प्रदान करने के संदर्भ में पुनरुत्थान किया जाएगा।
- हम स्कूली बच्चों के लिए रोजाना पुस्तकों का बोझ कम करने का तरीका खोजेंगे। इस वास्ते शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल भी एक मिशन प्रोजेक्ट के तौर पर किया जाएगा।
- स्कूल के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए एक **राष्ट्रीय ई–पुस्तकालय** की स्थापना की जाएगी।
- स्कूल जाने वाले बच्चों का दृष्टिकोण विस्तृत एवं व्यापक करने के लिए एक बहु–देशीय विद्यार्थी आदान–प्रदान कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी।
- विद्यार्थियों की संरचनात्मक प्रतिभाओं को पहचाना जाएगा और प्रोत्साहित किया जाएगा

उच्च एवं पेशेवर शिक्षा

उच्च एवं पेशेवर शिक्षा का मूल मकसद सिर्फ समाज के समृद्ध क्षेत्र का तीव्र विकास करना नहीं है बल्कि पंक्ति के आखिर में खड़े व्यक्ति की किस्मत भी सुधारना है।

पाठ्य सामग्री इस तरह तैयार की जानी चाहिए ताकि वह विद्यार्थियों को मौजूदा चुनौतियों को समझने एवं तीव्र गति से बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप अपने को ढालने में समर्थ बना सके। नीतिगत आधार पर से तत्व शामिल किए जाएंगे :

- शिक्षकों की धुरीगत भूमिका को बढ़ाया जाएगा। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों की कार्य–संस्कृति में बदलाव किया जाएगा ताकि प्रतिबद्ध एवं कार्य–प्रदर्शन करने में समर्थ

शिक्षक तैयार किए जाएं।

- भौतिक एवं मानव–श्रम संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।
- उद्योग (लघु एवं मध्यम दर्जे के उपक्रम समेत), अकादमिक क्षेत्र एवं समुदाय के बीच करीबी संवाद एवं सम्पर्क के लिए एक प्रणाली स्थापित की जाएगी।
- तमाम क्षेत्रों की भविष्य की जरूरतों की पहचान करने के लिए आवश्यकता आकलन कार्यक्रम चलाया जाएगा और इसका इस्तेमाल उच्च शिक्षा के लिए समुचित पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र, स्थापित एवं उभरते क्षेत्र, के लिए देश के पास पर्याप्त श्रमशक्ति रहे।
- उच्च शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें विभिन्न कदमों में स्वायत्ता प्रदान की जाएगी।
- नियामक निकायों की विश्वसनीयता बहाल की जाएगी। वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाया जाएगा और इसका एकमात्र आधार योग्यता एवं सामर्थ्य होगा।
- यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) का पुनर्गठन किया जाएगा ओर इसे महज एक अनुदान वितरण एजेंसी के बजाए एक उच्च शिक्षा आयोग का रूप दिया जाएगा।
- कार्य–प्रशिक्षण अधिनियम की इस तरह समीक्षा की जाएगी कि वह हमारे युवाओं को **सीखने के दौरान ही कमाई** का जरिया प्रदान करे।

रोजगारपरक प्रशिक्षण

- व्यापक स्तर पर खुले ऑनलाइन कोर्सों और वर्चुअल कक्षाओं की स्थापना की जाएगी ताकि कामकाजी लोगों एवं घरेलू महिलाओं को लिए यह अपना ज्ञान एवं योग्यता बढ़ाने का जरिया बने।
- स्व–रोजगार के नए क्षेत्रों, परिवार संचालित कारोबारों, उद्यमशीलता एवं नए प्रयोगों के लिए पत्राचार पाठ्यक्रम शुरु किए जाएंगे और ये कोर्स महिलाओं के लिए मुक्त होंगे। इसका मकसद उभरते क्षेत्रों में पैदा किए जा रहे रोजगारों के लिए युवाओं को तैयारी करना, नए प्रयोगों एवं सद्यमशलता की भावना को बढ़ावा देना होगा जिससे कि ज्यादा रोजगार पैदा हों एवं आमदनी हो।

भाजपा शिक्षा पर एक राष्ट्रीय आयोग स्थापित करेगी, जो शिक्षा के हालात एवं आवश्यक सुधारों पर दो वर्षों के अंदर अपनी रिपोर्ट देगा। इस रिपोर्ट के आधार पर, भाजपा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा नए प्रयोगों एवं शोध के संदर्भ में जनता की बदलती जरूरतों के अनुरूप एक राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करेगी।

इसका लक्ष्य अपने विद्यार्थियों को आवश्यक हुनर एवं ज्ञान प्रदान कर भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाना तथा विज्ञान प्रौद्योगिकी अकादमिक क्षेत्र एवं उद्योग में श्रम शक्ति की कमी को समाप्त करना है।

हुनर–उत्पादकता एवं रोजगारपरकता पर जोर

हुनरमंद हाथ, तेज दिमाग, अनुशासन एवं धैर्य भारतीय प्रतिभा को दुनिया भर में एक संपदा बनाते हैं। हमें इस क्षमता पर खरा उतरते हुए दुनिया की **सबसे बड़ी श्रमशक्ति** तैयार करनी है। हमें अपने युवाओं को उत्पादक रूप से रोजगार संपन्न एवं लाभकारी ढंग से शामिल करना है। हमें भारत को एक ज्ञान शक्ति भी बनाना है। हमें अपने मानव संसाधन को प्रशिक्षित एवं पोषित करना है। हमें इसका इस्तेमाल अपने देश को भविष्य में छलांग लगाने के लिए करना है। दुर्भाग्यवश, कांग्रेस ने इस दिशा में जो पहल की, वह बुरी तरह विफल रही और तकरीबन शुरु ही नहीं हुई। हम हुनर विकास को अभूतपूर्व पैमाने पर एक मिशन की तरह लेंगे।

- **हुनर आकलन–** भारत की आवश्यकता के अनुरूप अपने राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास की वैज्ञानिक ढंग से योजना बनाना (जैसे इंजीनियरों, आर्किटैक्टों, डॉक्टरों, नर्सों, वकीलों, एकाउन्टेंटों, बढ़ई, लुहारों आदि की जरूरत का आंकलन करना।
- एक "**राष्ट्रीय बहु–हुनर मिशन**" की शुरुआत की जाएगी।
- हम रोजगारपरक हुनरों पर जोर देते हुए शाम में लघु कालिक कोर्स चलाएंगे।
- हम उद्योगों के अनूकूल श्रमशक्ति सुनिश्चित करने के लिए हम उद्योग, विश्वविद्यालयों एवं सरकार को एकजुट करेंगें
- हम बड़े पैमाने पर रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण को बढ़ावा देंगे। औपचारिक शिक्षा एवं कौशल को विकास के कड़े प्रथक्करण को तोड़ा जाएगा। अकादमिक समकक्षता की रोजगारोन्मुख अर्हताएं प्रदान करने की प्रणाली स्थापित की जाएगीं
- हम निरन्तर शिक्षा के जरिए योग्यताओं को ताजा एवं प्रोन्नत करने के लिए संस्थागत प्रणालियां भी तैयार करेंगे ताकि उन्हें रोजगार योग्य रखा जा सके।
- हम **आवश्यकता आधारित हुनर विकास** एवं रोजगारपरकता पर जोर देंगे और अपने युवाओं को सबसे अत्याधुनिक नौकरियों में भी काम पाने लायक बनाएंगे।
- रोजगारपरकता बढ़ाने के लिए हम सॉफ्ट कौशल प्रदान करने पर ज्यादा जोर देंगे। इसमें विदेशी भाषाओं पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम भी शामिल किया जाएगा।
- लोगों, खासकर युवाओं की कम्प्यूटर साक्षरता के जरिए डिजिटल सशक्तिकरण के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाया जाएगा।
- हम प्रारंभिक अवस्था से ही अपने युवाओं की क्षमता एवं प्रतिभा का आकलन करेंगे, ताकि उन्हें उसी के अनूरूप विकसित किया जा सके।

- ➪ हम ज्यादा व्यावहारिक एवं शोध प्रशिक्षण पर जोर देंगे; इंटर्नशिप एवं कार्य–प्रशिक्षणों के जरिए वास्तविक दुनिया का अनुभव हासिल करने को प्रोत्साहन देंगे।

स्वास्थ्य सेवाएं–पहुंच बढ़ाना, गुणवत्ता में सुधार करना, लागत को कम करना

भारत को एक ऐसी समग्र देखभाल प्रणाली की जरूरत है जो सार्विक रूप से पहुंच के अंतर्गत हो, वहनीय एवं प्रभावी हो तथा स्वास्थ पर जेब खर्च में भारी कमी करे। एनआरएचएम लक्ष्य हासिल करने में विफल रहा है और इसमें आमूल रूप से सुधार किया जाएगा। भाजपा स्वास्थ क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता प्रदान करती है, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को पटरी पर रखने के लिए अति महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य देखभाल का व्यापक लक्ष्य राज्य सरकारों की मदद ये तमाम भारतीयों को स्वास्थ्य आवस्ति प्रदान करना और सेहत की देखभाल पर जेब खर्च को कम करना है।

मौजूदा स्थिति राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों एवं सेवा प्रदान करने, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य देखभाल की वित्त–व्यवस्था के संदर्भ में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में आमूल सुधार की मांग करती है। हमारी सरकार स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में निम्नलिखित सुधारों पर ध्यान केन्द्रित करेगी।

- ➪ आखिरी स्वास्थ्य देखभाल नीति साल 2002 में बनाई गई थी। भारत को अब एक समग्र स्वास्थ्य देखभाल नीति की जरूरत है ताकि स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में हुए विकासों एवं आबादी के बदलते स्वरूप के मद्देनजर स्वास्थ्य देखभाल की चुनौतियों से निपटा जा सके। भाजपा नई स्वास्थ्य नीति का सूत्रपात करेगी।
- ➪ राष्ट्रीय स्वास्थ्य आश्वासन मिशन की शुरुआत की जाएगी। इसमें साफ तौर पर निर्देश होगा कि सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल मुहैया करायी जाए ओर यह न केवल आम आदमी की पहुंच के अंदर हो बल्कि प्रभावी हो व वाजिब कीमत पर उपलब्ध हो।
- ➪ **शिक्षा एवं प्रशिक्षण** : स्वास्थ्य देखभाल में लगे विविध पेशेवर नियामक निकायों की भूमिका की समीक्षा की जाएगी और स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक संयोजनकारी निकाय की स्थापना पर विचार करेगी। स्वास्थ्य देखभाल करने वाले पेशेवरों की कमी दूर करने को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी।
- ➪ सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसके लिए आधारभूत ढांचे और नवीनतम प्रौद्योगिकियों को समुन्नत किया जाएगा।
- ➪ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का पुनर्गठन किया जाएगा। इसका मकसद प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य देखभाल खाद्य एवं पोषण तथा औषधियों से जुड़े विधि विभागों को सम्मिलित करना है।
- ➪ मानव संसाधनों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मेडिकल एवं पैरा–मेडिकल

कॉलेजों की संख्या बढ़ाई जाएगी और प्रत्येक राज्य में एम्स जैसे संस्थान की स्थापना की जाएगी।

- ➪ योग एवं आयुर्वेद मानवता को प्राचीन भारतीय सभ्यता की देन हैं और हम योग एवं आयुष को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक निवेश को बढ़ायेंगे। हम भारतीय औषधि प्रणाली और आधुनिक विज्ञान एवं आयुर्वेदिक–अर्थशास्त्र के लिए एकीकृत पाठ्यक्रमों की शुरुआत करेंगे। हम संस्थान स्थापित करेंगे और आयुर्वेदिक औषधि के स्तरीयकरण एवं मानकीकरण के लिए एक जोरदार कार्यक्रम चलाएंगें।
- ➪ एक ऐसे स्वास्थ्य देखभाल मॉडल को अपनाया जाएगा जिसमें शिशु स्वास्थ्य एवं रोग निवारण पर जोर होगा।
- ➪ स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर प्रमुखता से ध्यान दिया जाएगा और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को स्कूल पाठ्यक्रम का एक हिस्सा बनाया जाएगा।
- ➪ ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करने पर जोर रहेगा।
- ➪ वरिष्ठ नागरिकों की सेहत की देखभाल करना भी विशेष ध्यान वाला क्षेत्र होगा।
- ➪ पुरानी एवं जटिल बीमारियों को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी और मोटापा, मधुमेह, कैंसर, संक्रामक रोगों जैसी पुरानी बीमारियों के समाधान वास्ते शोध एवं विकास में निवेश किया जाएगा।
- ➪ पेशागत स्वास्थ्य कार्यक्रमों को जोर–शोर से चलाया जाएगा।
- ➪ स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करने के लिए मोबाइल फोनों का उपयोग किया जाएगा ओर **'राष्ट्रीय ई–स्वास्थ्य प्राधिकरण'** की स्थापना की जाएगी। इसके जरिए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच एवं दायरे को विस्तृत करने के लिए टेलीमिडसीन एवं मोबाइल के द्वारा स्वास्थ्य देखभाल को समुन्नत किया जाएगा तथा प्राद्योगिकी संचालित देखभाल के लिए मानकीकृत एवं कानूनी ढांचे को परिभाषित किया जाएगा।
- ➪ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं–108 को सार्विक किया जाएगा।
- ➪ औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए औषधीय पौधा बोर्ड को पुर्नोन्मुख किया जाएगा।
- ➪ जनसंख्या स्थिरीकरण एक प्रमुख ध्यान वाला क्षेत्र होगा और इसे एक मिशन कार्यक्रम की तरह चलाया जाएगा।
- ➪ महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके तहत ग्रामीण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पर जोर रहेगा। इस कार्यक्रम को भी बतौर मिशन चलाया जाएगा।

- ➪ कुपोषण को खत्म करने के लिए मिशन प्रोजेक्ट चलाया जाएगा।
- ➪ राष्ट्रीय मच्छर नियंत्रण मिशन शुरु किया जाएगा।

खराब साफ–सफाई एवं गंदगी का दूरगामी प्रपाती असर होता है। हम सुनिश्चित करेंगे कि वर्ष 2019 में गांधी जी की 150वीं वर्षगांठ तक "**स्वच्छ भारत**" का निर्माण करें। हम इसे एक मुहिम की तरह चलांएगे। इसके लिए तमाम संसाधनों को एकजुट किया जाएगा और जन भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

- ➪ खुले में शौच करने से मुक्त भारत का सृजन किया जाएगा। इसके लिए जागरुकता अभियान चलाया जाएगा और लोगों को अपने घरों तथा स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थानों में शौचालय बनाने में समर्थ किया जाएगा।
- ➪ आधुनिक, वैज्ञानिक सीवेज एवं कचरा प्रबंधन प्रणालियों की स्थापना की जाएगी।
- ➪ हम अपने शहरों एवं नगरों की साफ–सफाई का आकलन करेंगे और इसके आधार पर उन्हें रैंक प्रदान करेंगे तथा सबसे बढ़िया कार्य–प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करेंगे।
- ➪ सभी को पीने योग्य पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा जिससे कि पानी–जनित बीमारियां घटें। इससे भारत खुद ही डायरिया–मुक्त हो जएगा।

आर्थिक पुनरुत्थान

2004–05 में जब राजग सरकार ने अपना कार्यकाल समाप्त कर यूपीए सरकार को कार्यभार सौंपा तो जीडीपी विकास दर दो अंकों के निकट थी। मुद्रास्फीति नियंत्रण में थी। राजस्व घाटा और चालू खाता घाटा भी काबू में था तथा पूरी अर्थव्यवस्था मजबूती से बढ़ रही थी। उसके उलट अब कांग्रेस–नीत संप्रग सरकार के अंत में जीडीपी विकास दर 4.8 प्रतिशत के नीचे स्तर पर पहुंच गई है। मुद्रास्फीति और महंगाई चरम पर है। राजस्व घाटा और चालू खाता घाटा घातक स्तर पर आ गए हैं और उत्पादन क्षेत्र भयंकर मंदी झेल रहा है। कांग्रेस–नीत संप्रग सरकार ने पिछले पांच वर्षों में कई बड़े–बड़े घोटाले किए हैं। इन वर्षों में भारतीय मुद्रा का जितना अवमूलयन हुआ है उतना पहले कभी नहीं हुआ।

ये प्रमुखतः संप्रग सरकार की गलत नीतियों और अनिर्णय के कारण हुआ है। इस पंगु सरकार ने निर्णय लिए ही नहीं और अगर लिए भी, तो वे '**स्कैंडल**' में परिवर्तित हो गए। इस सबसे हमारी अर्थव्यवस्था की साख पर बट्टा लगा गया। इस कुचक्र से बचने के लिए सबसे पहले निर्णय क्षमता और निर्णयों के प्रति अपनी ईमानदारी को स्थापित करना होगा ताकि आमजन में पुनः आत्मविश्वास जाग्रत हो।

हम सरकार में लोगों का विश्वास और विश्वसनीयता वापस लाएंगे, हम देश भर में विश्व स्तर पर भी भारत के आत्मविश्वास को पुनः स्थापित करेंगे। हम अपनी सतत् दूरगामी नीतियों के बल पर न केवल आर्थिक विकास को गति प्रदान करंगे बल्कि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि यह विकास स्थिर और

संतुलित हो। हम–

- ➪ तात्कालिक स्तर पर प्रभावी ओर दूरगामी स्तर पर कामयाब हल ढूंढेगे।
- ➪ विकास के कार्यों के लिए आवश्यक साधनों से समझौता किए बिना राजस्व के अनुशासन को सख्ती से कार्यान्वित करेंगे, जैसे मनरेगा आदि कार्यक्रम।
- ➪ विकास को गति देने वाले सभी उपक्रमों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी रूप से संसाधन उपलब्ध कराएंगे।
- ➪ विदेशी और देश के निवेशकों के लिए जो नीतियां बनाई गई हैं, उनका पुनर्मूल्यांकन करेंगे, जो दोनों के लिए सहायक हो।
- ➪ बैंकिंग सुधार भी किए जाएंगे, जिससे ये आसानी से पहुंच के दायरे में हों और उत्तरदायी बनें।
- ➪ हम बचत को बढ़ावा देंगे जो निवेश और वृद्धि का महत्वपूर्ण आधार है।

एनपीए

साल दर साल एनपीए की मात्रा बढ़ती जा रही है। पिछले कई वर्षों से ऐसा हो रहा है। भाजपा ऐसे कदम उठाएगी जिससे बैंकिंग क्षेत्र में एनपीए में कमी आए। भाजपा एक ऐसा मजबूत नियामक निकाय बनाएंगी जो गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से निवेशकों की रक्षा करेगी

कराधान– कर प्रणाली

यूपीए सरकार ने टैक्स आतंकी और अनिश्चितता के रूप में काम किया है, जिससे व्यापारी वर्ग में एक तरह की हताशा आई और निवेश के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा. लेकिन इससे देश की साख पर भी बट्टा लगा. भाजपा ने यह महसूस किया है कि कर नीतियों का रोडमैप तैयार होना चाहिए जिससे लोग भविष्य के लिए योजनाएं बना सकें.

- ➪ विश्वसनीय, गैर विरोधाभासी और सहायक कर वातावरण तैयार करना.
- ➪ कर प्रणाली को तार्किक और आसान बनाना.
- ➪ विवादों के निपटारे के लिए तंत्र विकसित करना.
- ➪ सभी राज्य सरकारों को जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) के लिए तैयार करना, उनके पूरे पक्ष को सुनते हुए.
- ➪ अनुसंधान और विकास के लिए टैक्स लाभ प्रदान करना जिससे तकनीक और अनुसंधान को बढ़ावा मिले.

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

मल्टी ब्रांड खुदरा निवेश में विदेशी निवेश का विरोध. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की केवल उन्हीं क्षेत्रों में अनुमति दी जाएगी जहां नौकरी और पूंजी का निर्माण हो। जहां आधारभूत ढांचे के लिए तकनीकी

और विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता हो. भाजपा छोटे और मझोले दुकानदारों के हित संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है.

लघु उद्योगों और उनके कर्मचारियों के लिए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी और निवेशकों की सहायक होगी.

कृषि– उत्पादकता, विज्ञान और उसका पारितोषक

कृषि भारत के आर्थिक विकास का इंजन है. सर्वाधिक लोगों को इसमें रोजगार मिलता है. भाजपा कृषि विकास को उच्च प्राथमिकता किसानों की आय और ग्रामीण इलाकों के विकास वृद्धि का वादा करती है।

- ➪ कृषि और ग्रामीण विकास में सरकारी निवेश बढ़ाया जाएगा.
- ➪ ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जिससे कृषि क्षेत्र में लाभ बढ़े. यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लागत का 50 प्रतिशत लाभ हो. सस्ते कृषि उत्पाद और कर्ज उपलब्ध कराए जाएंगे. इस क्षेत्र में आधुनिकतम तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। ज्यादा उपज देने वाले बीज उपलब्ध करवाये जायंगे
- ➪ 60 साल से ज्यादा उम्र के किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाई जाएंगी, जो छोटे और सीमांत किसानों और मजदूरों के लिए होंगी.
- ➪ कम पानी से सिंचाई करने वाली तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे पानी के संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सके.
- ➪ फसल बोने से पहले मिट्टी का परीक्षण करने की प्रणाली का विकास किया जाएगा. मोबाइल मृदा परीक्षण प्रयोगशाला चलाई जाएंगी.
- ➪ कीटनाशक प्रबंधन और नियंत्रण कार्यक्रम का मूल्यांकन होगा.
- ➪ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना की जाएगी, जिसकी अभी तक केवल बात की जा रही है. इससे किसानों को बेहतर आय हो सकेगी और नौकरियों का सृजन होगा. हमारा उद्देश्य **'एग्रो फूड प्रोसेसिंग कल्चर'** की स्थापना करना है, जो बड़े स्तर का हो और जहां निर्यात वाला सामान पैक कर सीधे बाहर भेजा जाए.
- ➪ मसालों की गुणवत्ता, उत्पादकता और व्यापार पर खास तौर से ध्यान दिया जाएगा.
- ➪ **'आर्गेनिक फार्मिंग एंड फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन बैंक ऑफ इंडिया'** की स्थापना की जाएगी, जिसमें आर्गेनिक खेती और खाद को बढ़ावा दिया जाएगा. इसे बाजार तक पहुंचाने के लिए प्रोत्साहन और सहयोग दिया जाएगा.
- ➪ हर्बल उत्पाद के लिए अदल–बदल कर कृषि प्रणाली का उपयोग किया जाएगा. यह भौगोलिक नक्शे पर आधारित होगा. इससे किसानों की आय बढ़ेगी.

- बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से किसानों को राहत देने के लिए कृषि बीमा योजना लागू की जाएगी.
- ग्रामीण इलाकों में कर्ज की सीमा बढ़ाई जाएगी.
- बागवानी, फूलों की खेती, मछली पालन, मधुमक्खी पालन और मुर्गी पालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे.
- साफ पानी में मछली पालन को बढ़ावा दिया जाएगा, मछुआरों के कल्याण के लिए कदम उठाए जाएंगे.
- कलस्टर संरक्षण गृह का निर्माण किया जाएगा (चावल कलस्टर, गेहूं कलस्टर, फ्रूट कलस्टर, मसालों का कलस्टर आदि).
- उपभोक्ता से जुड़ा किसान की अवधारणा का विकास किया जाएगा, जिससे वह सीधे बाजार में पहुंचे. बर्बादी बचाई जाएगी और आय के साथ की रिस्क कवर भी बढ़ाया जाएगा.
- एपीएमसी कानून में सुधार लाया जाएगा.
- राज्यों के साथ काम करते हुए बीज कल्चर लैब बनाई जाएगी, जो हर जिले में होगी। क्षेत्रीय कृषि बीज प्रयोगशाला, कृषि विविधता को संरक्षित करने का काम करेंगे और विलुप्त हो रही किस्मों को बचाने का काम करेंगे.
- क्षेत्रीय स्तर पर किसान टीवी चैनल स्थापित किए जाएंगे.
- ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी दूर करना उच्च प्राथमिकता होगी.

अनुवांशिक रूप से संवर्धित (जीएम) खाद्य को बिना वैज्ञानिक जांच पड़ताल के अनुमति नहीं दी जाएगी. इसमें देखा जाएगा कि उत्पादन के दौरान मृदा पर और जैव–वैज्ञानिक रूप से उपभोक्ताओं पर क्या प्रभाव पड़ा.

भूमि अधिग्रहण का मुद्दा लगातार विवादों में रहा है. अधिग्रहण के तरीके को लेकर –

- भाजपा '**नेशनल लैंड यूज पालिसी**' स्वीकार करेगी. इसमें गैर कृषि भूमि का वैज्ञानिक तरीके से अधिग्रहण होगा और इसका विकास किया जाएगा.
- इसमें किसानों के हित का संरक्षण किया जाएगा और इस देश के खाद्य उत्पादन और आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखा जाएगा.
- नेशनल लैंड यूज अथॉरिटी इसे लागू करने की निगरानी करेगी. जो राज्य की लैंड यूज अथॉरिटी के साथ मिलकर काम करेगी, जो जमीन के प्रबंधन को नियंत्रित करेगी और सुविधाएं भी देगी.
- दूसरे नियंत्रक निकाय की तरह नेशनल लैंड यूज अथॉरिटी के पास वही शक्तियां होंगी जो

अन्य नियन्त्रक अथॉरिटी के पास होती हैं।

उद्योग– आधुनिक, प्रतिस्पर्धी और देखभाल करने वाला

हम अब वैश्विक उद्योग के लिए केवल बाजार ही नहीं बनना चाहेंगे। हमें तो वैश्विक उत्पाद केन्द्र बनना है। हमें तो उद्योग को नये–नये तरीके अपनाने व विश्वस्तर पर सहयोग करना है। हमें उद्योग को प्रोत्साहित करना है कि वह कुशल बने और उत्पादन लागत बाजिब हो।

- ➪ हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सहायक, बेहतर वातावरण बनाएं, जिससे भारत में व्यापार करना आसान हो जाए।
- ➪ हम लालफीताशाही को कम करेंगे, प्रक्रिया को आसान बनाएंगे, बाधाएं खत्म करेंगे।
- ➪ हम राज्य व केंद्र स्तर पर **सिंगल विंडो सिस्टम** लाएंगे, जहां पर हर तरह की अनुमति मिलेगी।
- ➪ हम ऐसी प्रणाली विकसित करेंगे कि किसी मेगा प्रोजेक्ट को पास करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार समान ऊर्जा से काम करेंगी. दोनों में बेहतर तालमेल होगा।
- ➪ पर्यावरणीय मंजूरी के निर्णय निर्माण की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्द होगा।
- ➪ हम विश्वस्तरीय निवेश और औद्योगिक क्षेत्र विकसित करेंगे जो उत्पादन के क्षेत्र में वैश्विक हब होगा।
- ➪ एमएसएमई (सूक्ष्म व लघु मध्यम उपक्रम) क्षेत्र की समीक्षा व पुनरोत्थान के लिए एक कार्यबल का गठन करेंगे, जिससे आधुनिकीकरण के लिए इस क्षेत्र की औपचारिक ऋण व तकनीकी उद्योगों तक बेहतर ढंग से पहुंच सके।
- ➪ पर्यावरण कानूनों को इस प्रकार बनाएंगे जिससे भ्रम की कोई गुंजाइश न रहे और प्रस्तावित परियोजनाओं को अविलंब त्वरित मंजूरी मिल सके।

विनिर्माण

शक्तिशाली निर्माण क्षेत्र न केवल मांग व आपूर्ति के बीच की खाई को पाटेगा, जिससे कीमतों में स्थिरता आएगी, बल्कि लाखों रोजगारों का निर्माण कर कामगार वर्ग की आमदनी भी बढ़ाएगा. सबसे बढ़कर यह सरकार के राजस्व में वृद्धि करेगा और आयात का विकल्प तैयार कर आयात खर्च को भी कम करेगा. हम भारत को लागत–प्रतियोगी श्रम आधारित और भारी मात्रा में निर्माण करने वाली धुरी बनाएंगे. निर्माण को बढ़ावा देने के लिए भाजपा–

- ➪ निर्माण में वृद्धि को उच्च प्राथमिकता देगी ताकि हम देश में ही पर्याप्त रोजगार पैदा कर सकें। रोजगार व संपदा निर्माण सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र को तेजी से वृद्धि करनी होगी।
- ➪ ब्याज दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए कदम उठाएगी तथा अनिश्चितता दूर करने और

निवेशक के विश्वास की बहाली के लिए स्पष्ट कर नीति लाएगी।

- व्यापार करने को आसान बनाने के लिए सभी कदम उठाएगी, जैसे स्वीकृतियों में आड़े आ रही लाल–फीताशाही को हटाना, साजो–सामान संबंधी आधारभूत ढांचे में निवेश करना, बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना तथा श्रम सुधारों को लागू करना। निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कदम उठाएगी।
- निर्माण क्षेत्र में प्रतियोगी भावना को बढ़ाने के लिए अनुसंधान व विकास पर सार्वजनिक व्यय को बढ़ाएगी तथा शोध व विकास पर उद्योगों द्वारा निवेश को प्रोत्साहन देगी।
- सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर निर्माण इकाइयों की स्थापना को सुगम बनाएगी।
- भारतीय कंपनियों को विश्व पटल पर पदार्पण के लिए प्रोत्साहित करेगी तथा हम इस प्रयास में भारतीय कंपनियों की सहायता करेंगे। हमारा मानना है कि भारतीय उद्यमियों में वैश्विक बाजारों को चुनौती देनी की क्षमता है।
- व्यापार सुविधा की स्थापना करेंगे, जिससे कस्टम क्लीयरेंस व व्यापारिक यात्रा के लिए वीसा लेना आसान हो जाए।
- सरकार व उद्योग के बीच संवाद शुरू करेगी. जो उद्योग के साथ नियमित विचार विनिमय का मार्ग होगा।

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उपक्रम (एमएसएमई)

भाजपा का मानना है कि हमारे देश के आर्थिक विकास में लघु व मध्यम उपक्रम क्षेत्र की अहम भूमिका है। इस क्षेत्र को विकसित करने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र को निर्यात के लिए अंतराष्ट्रीय संपर्क उपलब्ध कराने, समर्पित एमएमई बैंक के जरिये आसान कर्ज दिलाकर, आपूर्ति श्रृंखला की कार्यकुशलता से सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाकर, शोध व विकास व नवाचार में सहायता कर तथा बड़ी परियोजनाओं के लिए लघु–मझोले उद्योगों से अनिवार्य खरीद की नीति अपनाकर यह विकास सुनिश्चित किया जा सकेता है। लक्ष्य यह है कि एसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाया जाये जिससे ये हमारी आर्थिक वृद्वि तथा रोजगार सृजन में ज्यादा योगदान दे सके।

सहकारी क्षेत्र

सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर प्रयास किये जाएंगे। भाजपा वर्तमान में मौजूद सहकारी क्षेत्र से जुड़े कानूनों की समीक्षा करेगी तथा उनमें मौजूद छिद्रों व विसंगतियों को दूर करने के लिए उनमें संशोधन करेगी।

हस्तशिल्प

धातुकर्मियों, बुनकारों, काष्ठकारों, केशसाजों, चर्मकारों तथा कुम्हारों जैसे हस्तशिल्पियों की कार्यकुशलता के उन्नयन और उनके लिए व्यापार अवसर बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी।

➪ राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय व दोनों बाजारों से जोड़ेंगे।

➪ ऋण, सूचना और कौशल तक सुलभ पहुंच बनायेंगे।

➪ ब्रांडिंग, पैकेजिंग व तकनीकी द्वारा मूल्यवर्द्धन करेंगे।

कारीगर

लुहार, बुनकर, बढ़ई, केश–कर्तक, चर्मकार और कुम्हार आदि समुदाय के कौशल विकास व उनके व्यवसाय को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए नयी योजनाएं बनाई जायेंगी।

सेवाएं–गुणवत्ता व कुशलता पर आधारित

व्यवसाय व व्यापार

आधुनिक युग आदान–प्रदान का युग है। उद्योगपति व कारोबारियों का उत्पीड़न रोकने के लिए जरूरत से ज्यादा नियामन को नये सिरे से देखने की जरूरत है। साथ–साथ हमें पारदर्शी व्यवस्थाएं भी लागू करनी होंगी जो हमारी वस्तुओं व सेवाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करती हो। इस वस्तुओं के परिवहन व निर्यात में आने वाली रूकावटों को भी हटाना होगा। इसके अलावा हमें व्यापार योग्य वस्तुओं के बारे में सूचना के प्रवाह को बाकी दुनिया तक पंहुचाना होगा। भाजपा निम्नलिखित कदम उठायेगी–

➪ त्रुटि विहीन उत्पादों पर ध्यान देना।

➪ विश्व स्तरीय बंदरगाहों का निर्माण, सड़क व रेल मार्गों द्वारा इन्हें भीतरी भागों से जोड़ना ताकि देश में समुद्री व्यापार को गति मिल से।

➪ देशभर में एयर कार्गो सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा।

➪ निर्यात संवर्द्धन मिशन की स्थापना की जाएगी।

➪ निर्यात पर ध्यान केंद्रित कर और आयात पर निर्भरता कम कर चालू खातो में घाटे को कम किया जाएगा। हमारे उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन सबसे बड़ा कार्य होगा।

➪ हम राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि समुचित समय सीमा के भीतर जीएसटी जो लाया जा सके। इसे लागू करने के लिए एक मजबूत आईटी नेटवर्क स्थापित किया जाएगा।

➪ हम बौद्विक संपदा अधिकारों और पेटेंट के मार्ग पर पूरी तैयारी से चलेंगे।

➪ खुदरा विक्रेताओं, छोटे व्यापारों और विक्रेताओ के हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएगे। उन्हें आधुनिक बनाने तथा उनकी प्रतियोगी क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें अत्याधुनिक तकनीकों तथा तरीकों से लैस किया जाएगा।

➪ यह सुनिश्चित करेंगे कि लघु व मझोले उद्यमियों व खुदरा विक्रेताओं को व्यापार शुरू करने

के लिए विविध लाइसेंस पाने के लिए समय व धन खर्च न करना पड़े। छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न रोकने के लिए कारगर प्रणाली लागू की जाएगी।

- ➪ संस्थागत कर्ज की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।
- ➪ पुराने व अनगिनत कानूनों की समीक्षा करेंगे ताकि उन्हें कम किया जा सके और सरल बना सकें।
- ➪ नियमों में अस्पष्टता को दूर करेंगे ताकि भेदभाव की तनिक भी गुंजाइश के बगैर त्वरित निर्णय ले सके।
- ➪ दूरसंचार क्रांति ने देश के कोने–कोने को छुआ है, लेकिन इसकी क्षमता का बढ़ाने के लिए आवाज और आकड़ों की गुणवत्ता में सुधार की पर्याप्त संभावना और आवश्यकता है।

पर्यटन–असीम संभावनायें

भाजपा पर्यटन व मेहमानबाजी द्वारा विदेशी मुद्रा अर्जित करने व हर साल लाखों रोजगार पैदा करने में निभाई जा रही भूमिका को पहचानती है। पर्यटन सामाजिक–आर्थिक प्रगति में प्रमुख भूमिका निभाता है। इससे रोजगार निर्माण होता है, उपक्रम व ढांचागत विकास होता है तथा विदेशी मुद्रा की कमाई होती है।

भाजपा महसूस करती है कि पर्यटन क्षेत्र को विकास के लिए स्पष्ट योजना की जरूरत है भाजपा का वादा है कि 50 पर्यटन सर्किट बनाने के लिए मिशन की तरह परियोजना आरंभ की जाएगी। सभी बजट के अनुकूल ये सर्किट क. पुरातत्व व विरासत, ख. सांस्कृतिक व आध्यात्मिक, ग. हिमालयी, छ. मरूस्थलीय, उ. समुद्रतटीय, च. चिकित्सकीय (आयुर्वेद व आधुनिक) इत्यादि विषयों के गिर्द निर्मित किये जाएंगे। इससे ढांचागत निर्माण होगा, प्रत्येक पर्यटक सर्किट के चारों ओर रोजगार बढ़ेगा तथा राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

क्षमता विकास के लिए पर्यटन में विशिष्ट पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

श्रम बल – हमारी वृद्धि का स्तंभ

भाजपा इस तथ्य से परिचित है कि श्रम किसी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कुंजी है और ऐसी ही भूमिका श्रम नियंत्रित करने वाले कानूनों की है। हम श्रम और उद्योग के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने में विश्वास रखते है। इस तरह दोनों ही आर्थिक वृद्धि व विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

हम सुनिश्चित करेंगे कि असंगठित क्षेत्र में मजनदूरों के हितो की सुरक्षा हो।

संगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए हम उद्योग मालिकों व मजदूरों से उद्योग परिवार की अवधारणा को अपनाने का प्रस्ताव करते है। यह अवधारणा जिसमें उद्योग मालिक ओर मजदूर परिवार जैसे बंधन

में बंध जाते है। निपुणता, कौशल विकास व उत्पादकता उन्नयन, उचित वेतन–भत्तों तथा उनकी सुरक्षा के सिद्धांतों से निर्देशित होती है।

आवास– अब एक सपना नहीं

हम बड़े पैमाने पर कम मूल्य वाले आवास कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो जाए कि जब राष्ट्र स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे करे तो हर परिवार का स्वयं का एक पक्का मकान हो। यह एक नई प्रकार की विशेष योजना होगी जो चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों को समन्वित करेगी। साथ ही यह आवासीय सैक्टर को विभिन्न नीतियों द्वारा प्रोत्साहित करेगी और जहां आवश्यक होगा ऋृण उपलब्ध कराएगी।

हमारा यह प्रस्तावित कार्यक्रम इस बात को सुनिश्चित करेगा कि ये घर मूलभूत सुविधाओं से सम्पन्न होंगे। यह सब करने के लिए हम निम्नांकित करेंगेः–

- ➪ इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने संसाधनों को प्राथमिकता देंगे।
- ➪ शहरी क्षेत्रों में भूमि को एक संसाधन के रूप में उपयोग और ग्रामीण क्षेत्रों में अकुशल कार्मिकों की मांग के रूप में उपयोग।
- ➪ चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों को समन्वित कर उनके छूटे बिंदुओं को सम्मिलित कर इस कार्यक्रम को नए प्रारूप में तैयार करना।
- ➪ साथ ही साथ आवासीय क्षेत्र की सभी परियोजनाओं को उपयुक्त नीति निर्धारण, ऋण उपलब्धता और ब्याज योजनाऐं बनाकर प्रोत्साहित करना।

भौतिक आधारभूत ढांचा–सर्वोत्तम से भी बेहतर :

अपने आधारभूत ढांचे के कारण भारत को अपनी प्रगति नही करनी चाहिए, बल्कि हमें तो एक ऐसे मजबूत ढांचे को तैयार करना है जिससे हमारे विकास की गति बढ़े। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए, हमें एक दशक के लिए स्वयं को समर्पित करना होगा। हमें बड़ी सोच विकसित करनी होगी । साथ ही बढ़ती जनसंख्या और सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए हमें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढांचा विकासित करना होगा। इस क्षेत्र के विकास का अर्थ है, सीमेंट, स्टील, विद्युत तथा अनेक संबंधित उद्योगों का विकास। जिससे व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हम निम्नांकित कदम उठाएगेः–

- ➪ फ्रेट कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के कार्य को गति देना। इससे लोगों और वस्तुओं के आवागमन की गति तेज हो जाएगी।
- ➪ पूर्वोत्तर के राज्य और जम्मू एवं कश्मीर को विश्व स्तर के राजमार्ग, रेलमार्ग द्वारा शेष भारत से जोड़ा जाएगा।
- ➪ सीमावर्ती तथा तटीय राजमार्गों पर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण प्रकल्पों को गति दी जाएगी।

भाजपा

- सभी गांव अच्छी सड़कों से जोड़े जाएंगे।
- हम मौजूदा हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण करेंगे, साथ ही छोटे शहरों और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर नये हवाई अड्डों का निर्माण करेंगे। इसके अतिरिक्त देश भर में दूरदराज के और स्थलीय अंतर्देशीय विमान परिवहन की अपार संभावनाएं है। ये हवाई पट्टियां विकसित होने से अंतर्देशीय हवाई यात्रा और सस्ती हो सकेगी।
- हम बंदरगाह नीति विकास का एक आर्थिक मॉडल तैयार करेंगे। भारत को एक लंबा समुंद्री तट वरदान रूप में मिला है। हम इस मौजूदा बंदरगाहों को आधुनिक बनाएंगे, साथ ही नए विकसित करेंगे और ये सब हमारे महत्वाकांक्षी प्रकल्प **'सागर माला'** में एक सूत्र में पिरोए होंगे।
- निजी क्षेत्रों के संसाधनों और उनकी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सरकारी निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिए एक संस्थागत ढांचा स्थापित किया जाएगा। इनके विनियामकों को और अधिक स्वायत्ता दी जाएगी, साथ ही इसकी जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी।

भविष्य का आधारभूत ढांचा :

- हम परिवारों और उद्योगों को गैस उपलब्ध कराने के लिए गैस ग्रिड की स्थापना करेंगे।
- ग्राम स्तर तक एक राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क विकसित करेंगे और सार्वजनिक क्षेत्रों में वाई–फाई क्षेत्र भी अपनी उन्नत और विशेषज्ञ उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग विकास के लिए करेंगे।

परिवहन

भाजपा राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक एकता के लिए यात्रा के महत्व को बखूबी जानती है। हम –

- एक सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनाएंगे, जिससे निजी वाहनों से यात्रा करने का अभ्यास कम हो, इससे यात्रा के समय और लागत में कमी आएगी और प्रदूषण भी कम होगा।
- सड़कमार्ग, रेलमार्ग और जलमार्ग के विभिन्न माध्यमों को समन्वित कर एक सार्वजनिक परिवहन प्रकल्प को प्रारंभ करेंगे।
- यात्रियों और वस्तुओं के परिवहन के लिए जलमार्ग को विकसित करेंगे।
- वस्तुओं के तीव्र आवागमन हेतु **'राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नेटवर्क'** विकसित करेंगे।

रेलवे

भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है। यात्रियों की सुविधा और देश की अर्थव्यवस्था के विकास को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा, न कि राजनीतिक उद्देश्यों की पूति के लिए।

➪ भीतरी प्रदेश नए रणनीतिक रेल नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न बंदरगाहों से जोड़े जाएंगे।

➪ दूध फल–सब्जियों तथा नमक जैसी वस्तुओं के आवागमन के लिए विशेष रेल वैगन डिजाईन की जाएगी।

➪ पर्यटन रेल जिसमें तीर्थाटन रेल भी सम्मिलित होगी।

➪ नव्यतम और भव्यतम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रेलवे का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

➪ भविष्य की मांग को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञ और कुशल मानव संसाधनों का विकास किया जाएगा।

➪ यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही पुराने पड़ गए ढांचे के सुधार में बहुप्रतीक्षित और चेतावनी प्रणाली तथा कठोर मानको में निवेश किया जाएगा।

➪ सभी स्टेशनों पर उपलब्ध आधारभूत ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

➪ क्रमिक रूप में सभी कर्मी दल रहित रेलवे क्रॉसिंग्स को कर्मीदल से युक्त क्रॉसिंग्स में बदला जाएगा।

➪ स्वदेशी रेल डिब्बे और सिग्नल हेतु अनुसंधान और विकास को गति प्रदान की जाएगी।

पानी– इसे हर घर को, हर खेत को और कारखानों को उपलब्ध करना होगा :

अध्ययन और आंकड़े बताते हैं कि सन् 2050 तक भारत पानी की कमी से ग्रस्त देश होगा तथा मांग और आपूर्ति के बीच 50 प्रतिशत का अंतर होगा। भाजपा इस विषय की गंभीरता को समझती है। साथ ही स्वाधीनता के सरसठ वर्ष बाद भी पूरी जनसंख्या को पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। इस विषय पर विभिन्न कोणों से व्यापक विमर्श कर समाधान ढूंढेंगे। भाजपा जल–संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पक्षधर है।

➪ हर खेत को पानी देने के उद्देश्य से '**प्रधानमंत्री ग्राम सिंचाई योजना**' का शुभारंभ करेंगे। किसानों की मानसून पर निर्भरता कर करने के लिए हम बहुआयामी जल रणनीति का भी शुभारंभ करेंगे। वर्षों से लंबित सिंचाई प्रकल्पों को शीघ्र पूरा करके सिंचित भूमि को बढ़ाएंगे।

➪ हम बारिश के पानी को संरक्षित कर भूजल के स्तर को बढ़ाएंगे ताकि भूजल पर निर्भरता कम हो।

➪ वर्षाजल संरक्षण, जल संरक्षण और पानी के सदुपयोग को प्रोत्साहित करेंगे।

➪ नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाएंगे।

➪ तटीय शहरों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए शुद्धिकरण प्लांट लगाएंगे।

- ➪ व्यावहारिकता के आधार पर नदियों को आपस में जोड़ेंगे।
- ➪ भूजल से विषैले रसायनों को समाप्त करने के लिए भूजल का परीक्षण।

सबको पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए हमः

- ➪ कम पानी वाले क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति वाले ग्रिड बनाने को प्रोत्साहित करेंगे।
- ➪ विकेंद्रीकृत, मांग–निर्धारित, सामुदायिक स्तर पर जल संसाधन प्रबंधन, जल आपूर्ति व पर्यावरणीय साफ–सफाई को बढ़ावा देंगे।
- ➪ घरों में पाईप द्वारा पानी की आपूर्ति सुलभ कराऐंगे।

ऊर्जा : ज्यादा बनाओ, सावधानी से उपयोग करो, बर्बाद बिल्कुल न करो :

भाजपा बिजली के उत्पादन और वितरण को राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानती है; जिससे ऊर्जा क्षेत्र में बाधित आपूर्ति के कारण विकास की गति धीमी न हो। ऊर्जा सुरक्षा का व्यापक उद्देश्य विभिन्न उपभोक्ता क्षेत्रों को सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराना है। एक ही प्रकार के ईंधन पर अधिक निर्भरता कम करने और आपूर्तिकर्ता में विविधता को सुनिश्चित करने ताकि एक ही आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता न रहे, और बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इसके लिए भाजपाः–

- ➪ एक जिम्मेदार और व्यापक **'राष्ट्रीय ऊर्जा नीति'** बनाएगी।
- ➪ ऊर्जा के आधारभूत ढांचे, मानव संसाधन विकास तथा प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के प्रयासों पर फोकस करना।
- ➪ तेल, गैस, पनबिजली, सागर, पवन ऊर्जा, कोयला तथा नाभिकीय स्त्रोतों का अधिकतम उपयोग करने के लिए कदम उठाना।
- ➪ इस समय बहुत कम उपयोग की जा रही पन बिजली के उत्पादन के लिए छोटे पनबिजली घरों की स्थापना, छोटे प्रोजेक्ट स्थानीय सहयोग से और बिना स्थानीय आबादी को विस्थापित किए लगाए जा सकते है।
- ➪ मांग और आपूर्ति के अंतर को कम करने के लिए कोयले की खोज को बढ़ाने के कदम उठाना। तेल तथा गैस संबंधी अन्वेषण को भी गति दी जाए। इससे आयात की राशि में कमी आएगी।
- ➪ भारत के ऊर्जा स्त्रोतों में एक महत्वपूर्ण अंग अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत के उपयोग को भी बल देना।
- ➪ राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन का विस्तार करना और सशक्त करना।

विज्ञान एवं तकनीक : भारत नवाचार करता है तथा भारत नेतृत्व करता है –

भारत एक ज्ञानसंपन्न अर्थव्यवस्था रही है और पुरातन काल से ही विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में

अग्रणी रही है। अब भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पुनर्स्थापना के लिए नई नीतियां और कार्यक्रमों को बनाने के लिए एक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पहचानी है, ताकि मानवता के आधार पर विज्ञान के माध्यम से आमजन का कल्याण हो। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में शहरी व ग्रामीण तथा अमीर–गरीब के बीच की खाई को पाटने की कृत क्षमता है। वैज्ञानिक शिक्षा तथा प्रौद्योगिकी को नई दृष्टि और आभार के साथ प्रोत्साहित करने, प्रचारित करने तथा उपयोग करने की बड़ी आवश्यकता है।

भारतवासियों के जीवनस्तर को उन्नत करने, विशेषकर समाज के वंचित वर्ग को समर्थ करने, भारत को शैक्षिक स्तर पर प्रतियोगी बनाने, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित रूप में उपयोग करने, पर्यावरण का संरक्षण करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्त्व को भाजपा रेखांकित करती है। हम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवाचार हेतु उच्चतम स्तर पर अनुसंधान के लिए निजी क्षेत्र में, घरेलू व विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करेंगे।

हम निम्नांकित बिंदुओं पर विशेष बल देंगे:–

- विज्ञान एव प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए आमजन के लिए योजना, कृषि, पौष्टिकता एवं पर्यावरणीय सपंदा, स्वास्थ्य तथा ऊर्जा संरक्षण।
- पारंपरिक ज्ञान के साथ–साथ वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी क्षमताओं का उपयोग करके गरीबी–उन्मूलन के ठोस और निरंतर प्रयास, अजीविका की सुरक्षा, निश्चित करना, भूख और कुपोषण को दूर करना, क्षत्रीय ग्रामीण एवं शहरी असंतुलन को कम करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना।
- अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक क्षेत्रों के निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं में आपसी तालमेल बनाकर अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना। कृषि (विशेषकर मृदा, जल–प्रबंधन, मानव तथा पशु पोषण, मत्स्य पालन), जल, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा, संचार माध्यम तथा परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी, बायो–टेक्नोलॉजी तथा अन्य शाखाओं में प्रौद्योगिकी का व्यापक और विशेष उपयोग किया जाएगा।
- जलवायु परिवर्तन तथा मौसम के पूर्वानुमान संबंधी चुनौतियों, बाढ़, तूफान, भूकंप, अकाल तथा भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाओं से बचाव तथा इनके शमन हेतु अनुसंधान तथा अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना।
- राष्ट्रीय विकास तथा सुरक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना और अंतराष्ट्रीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए भी इसका उपयोग करना।
- युवाओं को वैज्ञानिक अनुसंधान तथा नवाचार को कैरियर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित

करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम योजनाएं व अवसर उपलब्ध कराना।

- आधारभूत वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु कार्यक्षमता के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाना तथा पेशेवर अवसर उपलब्ध कराना ताकि रिसर्च आदि कैरियर अधिक आकर्षक बने और राष्ट्र सर्वश्रेष्ठ मेधा का उपयोग करके, राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ा सके, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़े और भारतीय मेधा का पलायन रूके।
- नैनो टेक्नोलॉजी, थोरियम टेक्नोलॉजी, मस्तिष्क अनुसंधान व विज्ञान की अन्य शाखाओं में वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु विश्व स्तर के केंद्र विकसित करना।
- विभिन्न देशों तथा विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु सहयोग बढ़ाने के लिए एक क्षेत्र विकसित करना। साथ ही अन्वेषकों की भौतिक संपदा के संरक्षण तथा विस्तार हेतु एक '**भौतिक संपदा अधिकार व्यवस्था**' को लागू करना।
- आद्यौगिक तथा वैज्ञानिक अनुसंधान में तादात्म्य स्थापित करना। विश्वविद्यालयों तथा राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की इकाई के रूप में स्वायत्त प्रौद्योगिकी रूपातंरण संस्थाओं की स्थापना करके नई तकनीकों को उद्योगों को उपलब्ध कराना। साथ ही औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक नई तकनीकों के संवर्धन के लिए उद्योग जगत को प्रोत्साहित करना कि वे शैक्षिक तथा अनुसंधान संस्थानों को मदद दें और उन्हें अपनाएँ।
- राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार को विकसित और प्रचारित करने के प्रयास करना।
- भौतिक संपदा के संवर्द्धन और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए अपनी दीर्घा और समृद्व परंपरानुसार स्वदेशी ज्ञान को बढ़ावा देना।
- विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए बड़े स्तर पर योजनाएं बनाना। विज्ञान को अनुप्रयोगी बनाने के लिए सेकेंडरी शिक्षा में यथोचित परिवर्तन करना।
- विभिन्न क्षेत्रों के बड़े आंकड़ों और भविष्यवक्ता विज्ञान के अध्ययन हेतु एक **बिग डेटा** तथा **ऐनालिटिक्स संस्थान** की स्थापना।
- उष्णदेशीय रोगों के उन्मूलन हेतु अनुसंधान कराना।
- ग्रामीण विकास हेतु प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना।
- हिमालयीय प्रौद्योगिकी के संवर्द्धन हेतु एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना।
- दवाइयों, उद्योग तथा कृषि के क्षेत्रों में नाभिकीय विज्ञान के उपयोग और उसके अनुसंधान को बढ़ावा देना।

हमारा मानना है कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग एक नए और पुनरूत्थानशील भारत के निर्माण हेतु होना चाहिए जो मजबूत लोकतांत्रिक और आध्यात्मिक परंपरा को बनाए रखे और जो न केवल सामरिक रूप से बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी सुरक्षित हो। हमारी विज्ञान तथा

प्रौद्योगिकी नीति का निर्माण और कार्यान्वयन ऐसा होगा, जिससे वैश्विक मानव परिवार के बीच सामंजस्य स्थापित हो सके। इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी सही मायनों में भारतीयों और वास्तव में पूरी मानवता का उन्नयन कर सके।

पेड़ पौधे, जीव जंतु और पर्यावरण – अपने भविष्य को सुरक्षित करना :

हमारी वर्तमान पीढ़ी को यह विश्व रहने लिए एक बेहतर स्थान बनाना होगा। एक बेहतर स्थान न केवल अपने लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी। हमें अपने पर्यावरण, संस्थानों, व्यक्तियों और आवश्यकताओं को पोषित करना होगा। हमें अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य को एकरस करना होगा। हमें समग्रता से मानव जीवन के संपूर्ण विकास की दृष्टि रखनी होगी।

हमें संसाधनों और सुविधाओं को इस प्रकार विकसित करना होगा, जिससे वे आनेवाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर परिवेश में उपलब्ध रहें। हमें अपने विचारों और कार्यों में स्थिरता को केन्द्र में रखना होगा। हमारी कार्यप्रणाली इस सिद्धात पर होगी कि समावेशी विकास समय और स्थान से बाधित नहीं हो सकता–उसे अतीत की नींव पर वर्तमान में उपलब्ध अवसरों के आधार पर, भविष्य के लिए संसाधनों का संरक्षित और विस्तृत कर ही निर्मित करना होगा। हम जलवायु परिवर्तन संबंधी शमन कार्यों को पूरी गंभीरता के साथ अंजाम देंगे और वैश्विक समुदाय व संस्थानों के साथ मिल–जुलकर कार्य करेंगे। हम निम्नांकित कदम उठाएंगे:–

- ➪ **साफ स्वच्छ उत्पादन** को प्रोत्साहित करना।
- ➪ **साफ ईंधन** के उपयोग का बढ़ावा देंगे ताकि प्रदूषण का स्तर, खासतौर पर शहरों में कम हो सके।.
- ➪ प्रो–एक्टिव **कार्बन क्रेडिट** की संकल्पना को बढ़ावा देना।
- ➪ वैज्ञानिक आधार पर विभिन्न प्ररियोजनाओं के **इकोलॉजिकल ऑडिट** और विभिन्न शहरों और बस्तियों के **प्रदूषण सूचकांक** का अध्ययन करना।
- ➪ **प्रदूषण नियंत्रण** के विभिन्न उपक्रमों को प्राथमिकता के आधार पर करना।
- ➪ वर्तमान वनों और अन्य जीव–स्थानों का संरक्षण करना, साथ ही बंजर भूमि का उपयोग **सामाजिक वनक्षेत्र** के लिए करना।
- ➪ हरित भवन और ऊर्जा संचित करनेवाली कार्यक्षेत्रों के लिए दिशा निर्देश देना।
- ➪ पर्यावरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास तथा मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देना।
- ➪ वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्द्धन हेतु सुनिश्चित और कारगर कदम उठाना।
- ➪ पुनर्वनरोपण, कृषि वानिकी और सामाजिक वनक्षेत्रों के विकास हेतु निर्धारित कार्यक्रमों के

माध्यम से नागरिकों की सहभागिता को प्रोत्साहित करना।

- कूड़ा–कचरा के निपटान और अवशिष्ट–प्रबंधन हेतु नवाचारोन्मुख प्रक्रियाओं, विशेषकर रीसाइक्लिंग तकनीकों को प्रोत्साहित करना।

हिमालय

भाजपा वैश्विक स्तर पर हिमालय के संरक्षण हेतु चेतना जागृत करने के लिए गंभीर प्रयासों के लिए प्रतिबद्व है और इसके लिए निम्नांकित कदम उठाएगीः–

- विभिन्न प्रदेशों और क्षेत्रों को समन्वित कर अंतर–सरकारी साझेदारी के अंतर्गत एक अद्भुत और अभूतपूर्व कार्यक्रम "**नैशनल मिशन ऑन हिमालय**" प्रारंभ करना।
- हिमालय संरक्षण फंड की स्थापना।
- हिमालय प्रौद्योगिकी को समर्पित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना।
- हिमालय के ग्लेशियर जहां से उत्तर भारत की अधिकतम नदियां निकलती है, को पिघलने से रोकने के लिए विशेष कार्यक्रमों को महत्व देकर कार्यान्वित करना।

प्राकृतिक तथा राष्ट्रीय संसाधन– आवश्यकता अनुसार उपयोग, जहां आवश्यक हो वहां संरक्षण

भारतीय सोच को सर्वोत्तम रूप में गांधीजी के इस वाक्य में व्यक्त किया जा सकता है– सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं लेकिन सबके लालच को पूरा नहीं किया जा सकता। मसला आवश्यकता का नहीं है, लालच का है। किसी देश की प्रगति उसके संसाधनों और किस प्रकार संरक्षित और संवर्धित किए जाते हैं, इस पर निर्भर होती है। संसाधनों के ट्रस्टी मात्र हैं। ये संसाधन न उनकी और न उनके आकाओं की संपति है। अगर यह महात्मा गांधी द्वारा कहे गये इस विचार को तनिक भर भी सरकार में बैठे लोगों की सोच में आ सके, तो सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

हाल के वर्षों में, यह देखने में आया है कि देश के भौतिक और नैसर्गिक संसाधनों की बड़ी बेदर्दी से लूट मचाई गई है। इसके विपरीत असर हमें दो प्रकार से प्रभावित कर रहे हैं। एक इन संसाधनों का मूल्य सरकारी खजानों में नहीं पहुंचा। दूसरा, लूट की इस मनोवृत्ति के कारण ये संसाधनों का यह प्रबंधन लूट खसोट और गलत आवंटन के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह स्थिति ठीक करनी होगी।

- हम अत्यंत संवेदनशील प्राकृतिक संसाधनों जैसे कोयला, खनिज, स्पेक्ट्रम आदि के विषय में उपयुक्त और सर्वहितकारी **राष्ट्रीय नीतियां** बनाएंगे। सब कुछ स्पष्ट रूप से लिखित में होगा कि कौन सा संसाधन किस समय, किस गति से उपयोग करना है, स्थिरता के लिए यह उपयोग किस प्रकार से रणनीतिक रूप से निर्णीत होना चाहिए, इसके दोहन के लिए किसे और क्या जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, और वह भी किस मूल्य पर ।

➪ इन संसाधनों के दोहन के विषय में राज्य सरकारों से भी विचार विमर्श किया जाएगा।

➪ हम अनमोल और मंहगे संसाधनों की नीलामी के लिए अनेक प्रभावशाली तरीकों, ई–नीलामी सहित, लागू करेंगे।

➪ **संसाधनों के मानचित्रण**, खुदाई तथा प्रबंधन में उच्चतम तकनीकी का प्रयोग करेंगे।

➪ संसाधनों की केवल बिक्री नहीं, बल्कि उसमें मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारतीयों की सुरक्षा–आतंकवाद, उग्रवाद और अपराध बिलकुल सहन नहीं होगा :

संपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं के बारे में नहीं बल्कि व्यापक परिप्रेक्ष्य में यह सैन्य सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा, भोजन, जल और स्वास्थ्य सुरक्षा, समाजिक सौहार्द और एकजुटता को भी सम्मिलित करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के बिदुओं पर ध्यान देने के लिए आवश्यक है कि हम मानव संसाधन, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, शासन व्यवस्था और धन पर भी उतना ही ध्यान दें।

राष्ट्रीय सुरक्षा इनमें से किसी एक बिंदु को केंद्रित कर नहीं बन सकती, बल्कि उनके लिए एक स्पष्ट रोडमैप की आवश्यकता होती है। पिछले एक दशक में मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व के अभाव और अनेक पावर–सेंटर के हस्तक्षेप के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा निरंतर प्रभावित होती रही, जिसके कारण अराजकता फैली और अंतर्राष्ट्रीय पहल पर भारत की छवि धूमिल हुई।

सुरक्षित भारतीय– आतंकवाद, चरमपंथ और अपराध जरा भी बर्दाश्त नहीं

वास्तविक नियंत्रण रेखा के अंदर लगातार घुसपैठ, वायुसेना के लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन का नुकसान, नौसेना के पोतों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं से दशकों में अर्जित उसकी लड़ाकू क्षमता क्षीण होना। सांप्रदायिक दंगों, माओवादियों के हमलों, पाकिस्तान समाधित आतंकी संगठनों के लगातार बढ़ते हमलों, पूर्वात्तर सीमा से अवैध घुसपैठ और राष्ट्रीय राजधानी में हमलों ने सबको झकझोर दिया है। ये सब भारत की अस्मिता को ध्वस्त करने के संकेत है। इस कारण वर्तमान प्रणाली की समीक्षा और उसमें आमूलचूक सुधार करना आवश्यक है। वित्तीय संकट उपस्थित होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा और अधिक महत्वपूर्ण और संवेदनशील हो गया है।

भाजपा इस स्थिति से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए एक स्पष्ट, कठोर और प्रभावी रोडमैप के महत्व को जानती है।

आंतरिक सुरक्षा : भाजपा

➪ आतंकवाद प्रतिरोधी तंत्र को पुनर्स्थापित करेगी, जिसे कांग्रेस ने ध्वस्त कर दिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की भूमिका को और सशक्त करेगी और आतंक से संबधित मामलों की निष्पक्ष और त्वरित जांच करेगी।

➪ राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में सुधार कर इसे सभी क्षेत्रों के मूल्यांकन हेतु समर्थ करेगी। खुफिया

सूचनाओं के न्यूनतम समय में प्रसार की जिम्मेदारी इसकी होगी। डिजिटल व साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

- ➪ खुफिया एजेंसियों को राजनीतिक दखलंदाजी और हस्तक्षेप से बचाएगी।
- ➪ खुफिया जानकारियां एकत्र करने के लिए खुफिया विभाग को आधुनिकतम सुविधाओं से लैस करेगी।
- ➪ राज्य सरकारों को अपनी पुलिस फोर्स को आधुनिकतम बनाने और उन्हें पूरी तरह से नवीनतम प्रौद्योगिकी से लैस करने के लिए पूरी सहायता देगी। यह काम सर्वोच्च मिशन के रूप में किया जाएगा।
- ➪ नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के तंत्र को मजबूती एवं विस्तार देते हुए एक समूह तैयार किया जायेगा, जो सामाजिक सुरक्षा, आत्मरक्षा और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन में उपयोगी होगा।
- ➪ महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर पर एन.सी.सी. ट्रेनिंग को प्रोत्साहित कर और अधिक व्यापक बनाएगी।
- ➪ माओवादी उग्रवाद के खतरों से निपटने के लिए राज्य सरकारों की सहभागिता से उनसे परामर्श करके एक राष्ट्रीय योजना बनाएगी। उग्रवादियों के गुटों से संवैधानिक ढ़ाचे के अंतर्गत सशर्त बातचीतें होगी।
- ➪ पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों के प्रवासी कामगारों और अन्य समुदायों की सुरक्षा के लिए तत्काल ठोस कदम उठाएगी।

बाह्य सुरक्षा : भाजपा

- ➪ रक्षा उपकरणों, सहायक सेवाओं, संगठनात्मक सुधारों तथा अन्य संबद्व मसलों से संबंधित सुधारों की ओर ध्यान देंगे।
- ➪ प्राथमिकता के आधार पर रक्षा बलों में कमीशन व गैर–कमीशन अफसरों की बढ़ती कमी को समयबद्ध रूप से दूर करेगी।
- ➪ **एक रैंक, एक पेंशन योजना को लागू करेगी।**
- ➪ हमारें सैनिकों की वीरता को मान्यता और सम्मान देने के लिए एक युद्ध स्मारक का निर्माण कराएगी।
- ➪ शार्ट सर्विस कमीशन को आकर्षक बनाने के लिए उपाय करेगी।
- ➪ राष्ट्रीय नौवहन प्राधिकरण की स्थापना करेगी, जो सर्वोत्तम ढांचागत संरचना से सुसज्जित होगा तथा तटीय सुरक्षा पर ध्यान देगा।

- सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करेगी, प्रतिरक्षा में शोध व विकास को बढ़ावा देगी जिससे स्वदेशी रक्षा तकनीकों का विकास हो सके तथा रक्षा संबंधी खरीद को गति प्रदान करेगी।
- सीमा पार आतंकवाद से सख्ती के साथ निपटेगी।
- सीमा प्रबंधन की समीक्षा तथा उसमें सुधार करेगी। अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए दण्डात्मक उपाय करेगी।
- मानव शक्ति की कमी को दूर करने के लिए समर्पित चार रक्षा विश्वविद्यालयों की स्थापना करेगी।
- पूर्व सैनिकों की तकलीफों की सुनवाई के लिए पूर्व सैनिक आयोग का गठन करेगी। **पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस)** में सुधार तथा पूर्व सैनिकों के पुनर्रोजगार इस आयोग के कार्य क्षेत्र में होंगे।
- रक्षा मंत्रालय की निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशस्त्र बलों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगी।
- **सशस्त्र बल न्यायाधिकरणों** की कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए उपायों को लागू करेगी तथा सरकार द्वारा अपीलों की संख्या कम की जायेगी।
- सुनिश्चित करेगी कि सैनिक अपनी तैनाती के स्थान से अपना नाम दर्ज करा सके और मतदान कर सके।
- छावनी क्षेत्र में तथा अन्य स्थानों पर रक्षा विभाग की **जमीन के डिजिटलीकरण** की प्रक्रिया आरंभ करेगी।

रक्षा उत्पादन

अपने कुशल मानव संसाधन तथा तकनीकी प्रतिभा के बल पर भारत प्रतिरक्षा हार्डवेयर निर्माण तथा सॉफ्टवेयर उत्पादन में वैश्विक मंच के रूप में उभर सकता है। भाजपा **रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ)** को और मजबूत बनाएगी, कुछ चुने हुए रक्षा उद्योगों में प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी समेत निजि क्षेत्र की भागीदारी व निवेश को बढ़ावा देगी।

- रक्षा निर्माण में तकनीकी हस्तांतरण को अधिकतम स्तर तक प्रोत्साहित किया जाएगा।
- हम रक्षा क्षेत्र की वृद्वि को रोकने वाली समस्याओं का समाधान तलाश करेंगे।
- सैन्य साजोसामान की डिजाइनिंग व उत्पादन में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए हम घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करेंगे और उन्हें घरेलू उपयोग व प्रतियोगी परिवेश में निर्यात के लिए मंच प्रदान करेंगें।

स्वतंत्र सामरिक नाभिकीय कार्यक्रमः

भाजपा का मानना है कि अटल बिहारी वाजपेयी शासन के दौरान भारत ने नाभिकीय कार्यक्रम पर

जो रणनीतिक लाभ हासिल किये थे। उन्हें कांग्रेस ने यूं ही गंवा दिया। तब भी हमारा जोर था और अब भी है कि ऐसी नीतियां तैयार की जाएं जो 21वीं सदी में भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकें। हम दोधारी स्वतंत्र नाभिकीय कार्यक्रम अपनाएंगें जो विदेशी दबाव और प्रभाव से मुक्त हो तथा नागरिक व सैन्य उद्देश्यों की पूर्ति करता हो क्योंकि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नाभिकीय शक्ति का बड़ा योगदान है।

- ➪ इसके लिए भाजपा भारत के नाभिकीय सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन करेगी, तथा इसमें संशोधन कर इसे वर्तमान दौर की चुनौतियों में प्रासंगिक बनाने के लिए इसका अध्ययन करेगी।
- ➪ विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखेगी जो परिवर्तनशील भू–रणनीतिक वास्तवविकताओं के अनुरूप हो।
- ➪ भारत के स्वेदशी थोरियम प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में निवेश करेगी।

विदेश संबंध–राष्ट्र प्रथम – वैश्विक बंधुता

भारतीय जनता पार्टी का मानना है कि राष्ट्रों के समूह में तथा अंतराष्ट्रीय संस्थाओं में उदयीमान भारत को उसका उचित स्थान मिलना चाहिए। दृष्टि यह है कि विदेश नीति के लक्ष्यों , विषय वस्तु व प्रक्रिया को इस तरह से परिवर्तित और पुनर्व्यवस्थित किया जाए जिससे भारत की वैश्विक रणनैतिक संलग्नता नये परिवेश में तथा व्यापक पटल पर स्थापित हो सके। यह संलग्नता राजनैतिक कूटनीति तक ही ना सीमित हो बल्कि इसमें हमारे आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व सुरक्षा संबंधी हित भी क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर शांति हो। यह संलग्नता समानता तथा परस्पर सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित हो जिससे आर्थिक रूप से शक्तिशाली भारत का निर्माण हो जिसकी आवाज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सुनाई दे।

भाजपा का मानना है कि दक्षिण एशिया की बढ़ोतरी व विकास के लिए इस क्षेत्र में राजनैतिक स्थिरता, प्रगति तथा शांति अनिवार्य है। कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार भारत के पड़ोसी देशों के साथ स्थायी तौर पर मित्रवत तथा सहयोगात्मक संबंध स्थापित करने में विफल रही है। अपने परंपरागत सहयोगियों के साथ भी भारत के संबंध उतने सौहार्दपूर्ण नहीं रह गए हैं जितने पहले थे। भारत व इसके पड़ोसी देश एक दूसरे से दूर जा रहे है। स्पष्टता की जगह अब भ्रम की स्थिति है। राष्ट्र के रूप में कूटनीतिक कौशल की इतनी भारी कमी पहले कभी महसूस नहीं की गई। भारत को आज ढुलमुल राष्ट्र की तरह देखा जाता है, जबकि इसको दुनिया से आत्मविश्वास के साथ व्यवहार करना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था के चरमराने से भी विदेशी मामलों में भारत का प्रभाव काफी हद तक कम हुआ है।

हम एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत का निर्माण करेंगे जो राष्ट्रों के बीच अपनी अधिकार पूर्ण जगह दुबारा हासिल करेगा। इस प्रयास में बसुधैव कुटुम्बकम की सदियों पुरानी परंपरा हमारा मार्गदर्शन करेगी। साथ ही साथ हमारी विदेश नीति हमारे सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय हितों पर आधारित होगी। अपने हितों को साधने के लिए हम परस्पर सहयोग पर आधिारित सहयोगियों

के तानेबाने की रचना करेंगे। हम अपने प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों का इस प्रकार उत्थान करेंगे जिससे वे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर और ज्यादा व्यापक भूमिका निभा सकें।

लंबे समय से भारत अपनी सॉफ्टवेयर शक्ति क्षमता को पूर्णरूप से और व्यापक स्तर पर पहचानने में असफल रहा है। आज आवश्यकता है कि हमारी सॉफ्ट पॉवर के क्षेत्रों को हमारे बाहरी व्यवहार के साथ एकीकृत किया जाए विशेषकर इसके आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक आयामों पर केंद्रित करते हुए उनका पर्याप्त दोहन किया जाए। विश्व मामलों में भारत ने हमेशा बड़ी भूमिका निभाई है और विश्व को बहुत कुछ दिया है। प्राचीन काल से यह परंपरा चली आ रही है। यहां के प्राचीन ज्ञान व विरासत और समरसता तथा समानता के अद्वितीय सिद्धात हमेशा से भारत की चुबंकीय शक्ति रहे हैं जिसके कारण विदेशी यहां खिंचे चले आ रहे हैं। आज की दुनिया में भी यह समान रूप से प्रासंगिक है जहां आज सॉफ्टवेयर शक्ति का बोल बाला है। उसके प्रसार के लिए हम अग्र–सक्रिय कूटनीति अपनाऐंगे। भारत को न केवल विश्व गुरू बल्कि एक जीवंत व्यापारिक समाज भी माना जाता रहा है। हमारे पूर्वज सदियों से समुद्री मार्गों से विदेशों के साथ व्यापार करते आये हैं। यह व्यापार हमारी व्यापारिक कुशलता व ईमानदारी, हमारे उत्पादों व कला कौशल पर आधारित था। हमारी प्राचीन सभ्यताओं के प्रतीक आज भी हमारे वास्तुशिल्पीय तथा नगरीय नियोजन के बेमिसाल नमूनों के रूप में उपस्थित हैं। **पांच 'प'–परंपरा, प्रतिभा, पर्यटन, पण (व्यापार) और प्रौद्योगिकी** में हमारी शक्तिओं की सहायता से हम भारत को ब्रांड के रूप में पुनः स्थापित करेंगे।

हमारी विदेश नीति के मार्गदर्शक सिद्धांत निम्नलिखित रहेंगेः–

➪ दूर दर्शिता तथा परस्पर लाभ दायक व अन्योन्याश्रित संबंधों के सिद्धांत के द्वारा समीकरणों को ठीक किया जाएगा जो स्पष्ट राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

➪ आतंकवाद तथा वैश्विक तापवृद्धि जैसे मुद्दों पर हम एक समान अंतरराष्ट्रीय राय का पक्ष लेंगे।

➪ बड़ी शक्तियों के हितों द्वारा निर्देशित होने की बजाए हम अपने आस–पड़ोस में तथा इससे परे देशों के साथ एवं विवेक के आधार पर सक्रिय रूप से व्यवहार करेंगे।

➪ अपने आस–पड़ोस में हम मित्रतापूर्ण संबंधों को बढ़ावा देंगे। लेकिन जहां कहीं जरूरी हुआ वहां हम सख्त रूप से कदम उठाने से नहीं हिचकिचाएंगे।

➪ हम दक्षेस और आसियान जैसे क्षेत्रीय मंचों को शक्तिशाली बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

➪ ब्रिक्स, जी20, आईबीएसए, एससीओ तथा एसएईएम जैसे वैश्विक मंचों के साथ हम संवाद, संलग्नता तथा सहयोग जारी रखेंगे। राज्यों को कूटनीति में बृहत्तर भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अपने पारस्परिक सांस्कृतिक व व्यावसायिक हितों की

मजबूती व दोहन के लिए राज्य सक्रिय रूप से विदेशों के साथ संबंध बना सकेंगे।

इसके अलावा

- हम अपने कूटनीतिज्ञों की संख्या को बढ़ाएंगे और उन्हें सशक्त बनाएंगें। यह सुनिशिचत करेंगे कि दुनियों में हमारा संदेश स्पष्ट रूप से जाए तथ सही रूप में हमारे देश का प्रतिनिधित्व हो सके।
- विदेशों में बसे अप्रवासी भारतीय तथा मूल के निवासी वहां मौजूद पूंजी की तरह हैं जो राष्ट्रीय हितों व मामलों की विश्वस्तर पर सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत कर सकता है। भारत ब्रांड को मजबूती देने के लिए इस विशाल जन संसाधन का उपयोग किया जाएगा।
- अपनी जमीन से उजड़े हिंदुओं के लिए भारत सदैव प्राकृतिक गृह रहेगा और यहां आश्रय लेने के लिए उनका स्वागत किया जाएगा।

सांस्कृतिक विरासत

भाजपा का उन मुद्दों पर स्पष्ट रूख है जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़े हैं।

राम मंदिर : भाजपा अपना रूख दोहराती है। संविधान के दायरे में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए सभी संभावनाओं को तलाशा जाए।

रामसेतु : रामसेतु हमारी सांस्कृतिक विरासत का अंग है और थोरियम भंडारों के कारण इसका सामरिक महत्त्व भी है। सेतु समुद्रम चैनल परियोजना पर निर्णय लेते समय इन तथ्यों पर विचार किया जायेगा।

गंगा : गंगा नदी भारत में आस्था की प्रतीक है। भारतीय जनमानस में गंगा का विशेष स्थान है, यह मुक्ति दायिनी है। इसके अलावा भारत के जिन भागों में यह बहती है वहां जीवन दायिनी भी है। मनुष्य व मवेशी इस पर कृषि, चारे व पेय जल के लिए निर्भर हैं। गंगा नदी का शुद्व पवित्र जल भारत के आध्यात्मिक तथा भौतिक कल्याण के लिए अति आवश्यक है।

दुर्भाग्यवश, स्वतंत्रता के अनेक दशकों बाद भी गंगा नदी प्रदूषित बनी हुई है और सूखने के कगार पर है। भाजपा प्राथमिकता के आधार पर गंगा की स्वच्छता, शुचिता और अविरल प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए वचनवद्व है। इसके अतिरिक्त अन्य नदियों की सफाई के लिए समूचे भारत में एक व्यापक कार्यक्रम चलाया जाएगा जिसे नागरिकों के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा।

गाय व गौवंश : खेती में तथा देश के सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन में गाय व गौवंश के अमूल्य योगदान को देखते हुए पशुपालन विभाग को पर्याप्त रूप से सुदृढ़ किया जाएगा व सशक्त बनाया जाएगा ताकि गाय व गौवंश का संरक्षण व संवर्द्धन हो सके।

पशुओं की देसी नस्ल में सुधार के लिए कार्यक्रम को लागू करने के लिए एक राष्ट्रीय पशु विकास

बोर्ड का गठन किया जाएगा।

विरासत स्थल : सभी राष्ट्रीय विरासत स्थलों के रख–रखाव तथा पुनर्स्थापना के लिए हम समुचित संसाधन उपलब्ध कराएंगे तथा किसी भी रूप में उनके विरूपण व तोड़फोड़ को रोकने के लिए कदम उठाए जाएंगे। अभिलेखागारों, पुरातात्विक व संग्रहालयों के दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। सभी धर्मों व आस्थाओं के तीर्थस्थलों को सुंदर बनाने, उनकी अवसंरचना में सुधार लाने तथा ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय मिशन चलाया जाएगा।

भाषाएं : भारतीय भाषाएं हमारे समृद्व साहित्य, इतिहास, संस्कृति, कला व वैज्ञानिक उपलब्धियों का संग्रहण करती हैं। हमारी अनेक बोलियां हमारी विरासत को जानने की महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। भाजपा भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देगी और सभी भारतीय भाषाओं के विकास के लिए उपाय करेगी, जिससे कि वे ज्ञान आधारित समाज की रचना के लिए शक्तिशाली माध्यम बन सकें।

समान नागरिक संहिता

भारत के संविधान की धारा 44 में समान नागरिक संहिता राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के रूप में दर्ज की गई है। भाजपा का मानना है कि जब तक भारत में समान नागरिक संहिता को अपनाया नहीं जाता है, तब तक लैंगिक समानता कायम नहीं हो सकती है। समान नागरिक संहिता सभी महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करती है। भाजपा सर्वश्रेष्ठ परंपराओं से प्रेरित समान नागरिक संहिता बनाने को कटिबद्व है जिसमें उन परंपराओं को आधुनिक समय की जरूरतों के मुताबिक ढाला जाएगा।

निष्कर्ष–अमृतमय भारत

हमारा उद्‌देश्य है आधुनिक, संपन्न और जीवंत भारत– **एक भारत, श्रेष्ठ भारत** की रचना करना जो हमारी नैतिकता और मूल्यों पर आधारित होगा। हमें स्वयं को ज्ञान आधारित समाज व अर्थव्यवस्था में बदलना होगा। जो हमारे विशाल जनबल के अनुभव व ऊर्जा तथा तकनीकी के साधनों से गतिशील होगा। भाजपा इस कार्य के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराती है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनथक रूप से कार्य करने का वादा करती है। इसके लिए हम जनता से साठ महीने मांग रहे हैं।

सन् 2022 में हम भारत की स्वतंत्रता का 75वां साल मना रहे होंगे। भारतीय संस्कृति में इसे अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। हमारे लिए प्रत्येक दिवस एवं प्रत्येक कदम, प्रत्येक यात्रा व प्रत्येक प्रक्रिया अमृतमय भारत के निर्माण के लिए समर्पित रहेगी। यह सब कुछ हम सभी के द्वारा, हम सभी के लिए किया जाएगा।

यह समय थक कर बैठ जाने का नहीं है। यह समय है जब हम सभी को जाग जाना चाहिए और बदलाव लाने के लिए यथाशक्ति अपना योगदान करना चाहिए।

आईये साथ मिलकर **एक भारत, श्रेष्ठ भारत** के निर्माण के लिए भाजपा को वोट करें।

जय हिंद। वंदे मातरम्।

भारतीय जनता पार्टी

11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110 001

www.bjp.org/manifesto2014

Facebook:www.facebook.com/bjp4india

Twitter: @bjp4india

अब की बार
मोदी सरकार

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रकाशित, 11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110 001
एक्सेलप्रिंट, सी–36, फ्लैटेड फैक्ट्री, कॉम्प्लेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055 द्वारा मुद्रित
2000 प्रतियां